भ्रष्टाचार-मुक्त भारत - आत्मशक्ति, योग और नैतिक जागरण का पवित्र अभियान

महेश अग्रवाल
-पेज 5 पर

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 135/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 09 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स आज 650 अंक गिरकर 84,450 के स्तर पर आया

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिल रही है। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार, 9 दिसंबर को सेंसेक्स 650 अंक गिरकर 84,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 200 अंक की गिरावट है, ये 25,750 के स्तर पर आ गया है।

इंडिगो संकट पर मोदी बोले-

सिस्टम सुधारें, जनता परेशान न हो

सरकार ने 5 प्रतिशत उड़ानें घटाई, निगरानी के लिए 10 एयरपोर्ट पर अफसर भेजे

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस के हालिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा है कि नियम-कानून बनाने का मकसद सिर्फ सिस्टम को बेहतर करना होना चाहिए, न कि आम भारतीय नागरिकों को परेशान करना। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को एनडीए के सांसदों की बैठक में पीएम के बयान का हवाला देते हुए यह जानकारी साझा की है।

पीएम की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब इंडिगो की कई फ्लाइट्स में तकनीकी खराबी और देरी की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। यात्रियों को घंटों एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ रहा है और कई उड़ानें रद भी हो रही हैं। किरेन रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जो भी नियम बनते हैं, वे प्रशासन को मजबूत करें, लोगों की जिंदगी आसान करें, न कि उन्हें मुश्किल में डालें। पीएम का जोर इस बात पर था कि किसी भी नीति या नियम का असर सीधे आम आदमी पर पड़ता है, इसलिए उसमें संवेदनशीलता जरूरी है। रिजिजू ने बताया कि पीएम मोदी ने इंडिगो के मौजूदा संकट का जिक्र करते हुए अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उनका कहना था कि यात्रियों की परेशानी को कम से कम करना सरकार की प्राथमिकता है।

पीएम मोदी 11 को एनडीए सांसदों के साथ डिनर मीटिंग करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 दिसंबर को एनडीए सांसदों के साथ एक विशेष डिनर मीटिंग करने वाले हैं। इस बैठक को आगामी सत्र की रणनीति, समन्वय और संगठनात्मक मुद्दों पर महत्वपूर्ण चर्चा के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री सांसदों के साथ नीतिगत प्राथमिकताओं और आगे की कार्ययोजना पर विस्तृत बातचीत करेंगे। प्रस्तावित रात्रिभोज बैठक का मकसद गठबंधन दलों के बीच खुली और रचनात्मक चर्चा का मंच तैयार करना है। इस दौरान प्रधानमंत्री सत्र की विधायी प्राथमिकताओं, सरकार के व्यापक एजेंडे और एनडीए की सामूहिक राजनीतिक रणनीति पर बातचीत कर सकते हैं।

5% फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश

सरकार ने इंडिगो पर भी सख्त एक्शन लिया है। सोमवार को सिविल एविएशन मंत्रालय की हाई लेवल मीटिंग के दौरान एयरलाइन की 5% फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश जारी किया गया। इस निर्देश का असर इंडिगो की रोजाना ऑपरेट होने वाली 2300 फ्लाइट्स पर पड़ेगा। यानी लगभग 115 फ्लाइट्स घट जाएंगी। इधर केंद्र ने मौजूदा हालात की जांच के लिए 10 बडे एयरपोर्ट पर सीनियर अफसरों को तैनात किया है। ये लोग पता लगाएंगे कि यात्रियों को कौन-कौन सी परेशानी आ रही है। ये अफसर डिप्टी सेक्रेटरी, डायरेक्टर और जॉइंट सेक्रेटरी लेवल के हैं। 10 बड़े एयरपोर्ट में मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पुणे, गुवाहाटी, गोवा और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। वहीं, इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी है। सुबह10.30 बजे तक बेंगलुरु और हैदराबाद से 180+ फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं।

मंदिरों के शहर खजुराहो में मोहन सरकार की कैबिनेट बैठक में कई सौग़ातें

खजुराहो का कन्वेंशन सेंटर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनेगा

खजुराहो।
मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में खजुराहो में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। इसमें बुन्देलखण्ड को कई सौग़ातें मिलीं। सागर दमोह सड़क का उन्नयन, तेंदूखेड़ा क्षेत्र में झापननाला सिंचाई परियोजना को मंजूरी, सागर के निकट उद्योग क्षेत्र को अनुमति और बहुप्रतीक्षित नौरादेही अभयारण्य को चीतों की सौग़ात दी गई। दमोह, छतरपुर और कटनी मेडीकल कालेज के लिए पदों की स्वीकृति।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मीडिया को जानकारी दी और बताया कि जिस स्थान पर केबिनेट की बैठक आयोजित की गई है। कन्वेंशन सेंटर को और आधुनिक बनाया जा रहा है, फाइव स्टार होटल बनाकर भविष्य में बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन हों, इसके प्रयास किये जाएंगे। इसके लिए हमने योजना बनाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खजुराहो में जंगल सफारी पन्ना नेशनल पार्क धरोहर है। केवल सफारी ही नहीं, हाथियों के लिए भी जाना जाता है। सागर में नया औद्योगिक पार्क विकसित किया जा रहा है। हर इन्वेस्टर समिट में इसे प्रमोट कर रहे हैं। दमोह, छतरपुर के लिए नए पद मंजूर किए गए हैं। पन्ना और कटनी के मेडिकल कालेज सहित चारों मेडिकल कालेज अगले साल एक साथ शुरू होंगे।

नक्सलवाद का खात्मा हुआ

डा. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नक्सलवाद से निकल कर बाहर आ गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में प्रदेश में नक्सलवाद का खात्मा किया था। कांग्रेस के शासनकाल में वहीं के मंत्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, भाजपा के कार्यकाल में नक्सलवाद खत्म कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड को हम कई सौगातें दे रहे हैं। यहां विकास भी है और संभावनाएं भी हैं। यहां खनिज की अधिकता है। हम खनिज के साथ ही कई उद्योग विकसित कर रहे हैं, जिनमें रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।

वहीं, दुर्गावती अभ्यारण्य और नौरादेही अभ्यारण्य में चीता पुनर्स्थापन कार्य किया जाएगा। कूनो में 28 और गांधीसागर में 2 चीते हैं। जनवरी में बोत्सवाना से 8 चीते मध्यप्रदेश आएंगे। दमोह की सिंचाई योजना 'झापड़ नाला माध्यम सिंचाई परियोजना' को 165 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है।

रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद 4 कर्मचारियों की मौत, 5 अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। खजुराहो में रिसॉर्ट में खाना खाने के बाद कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से गंभीर हालत में 9 कर्मचारियों को ग्वालियर रेफर किया गया। दो लोगों ने रास्ते में दम तोड़ दिया। दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, 5 का इलाज जारी है, इनमें से तीन वेंटिलेटर पर है। डॉक्टर ने फूड पॉइजनिंग के लक्षण बताए हैं।

पहले जानकारी मिली थी कि 9 कर्मचारियों को छतरपुर जिला अस्पताल से झांसी मेडिकल रेफर किया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर 4 लोगों को ग्वालियर रेफर किया गया, जहां चारों की मौत हो गई। इधर, छतरपुर जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, तीन कर्मचारियों की मौत हुई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने इनके परिजनों को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

राज्यों में एसआईआर के काम में 'बाधा' पर अदालत सख्त

सुप्रीम कोर्ट बोला-चुनाव आयोग संज्ञान में लाए, हम आदेश पारित करेंगे

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को धमकाने के अलावा चुनाव आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में कथित तौर पर बाधा डालने की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सहयोग की कमी को गंभीरता से लेने को कहा।

चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज की निगरानी के लिए पांच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को स्पेशल रोल ऑब्जर्वर (एसआरओ) नियुक्त किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- इससे अराजकता हो सकती है

सर्वोच्च अदालत ने कहा, अगर हालात और बिगड़ते हैं तो पुलिस तो तैनात करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि उनके पास सभी सांविधानिक शक्तियां हैं, जिससे हम बीएलओ और अन्य अधिकारियों को धमकाने की घटनाओं से डील कर सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निपटें वरना इन हालातों से अराजकता हो सकती है।

ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा, एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे।

ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है। उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए।

लाडली बहना कार्यक्रम से पहले अचानक बस स्टॉप पर रुके सीएम

लाडली बहना योजना कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव खजुराहो में हैं। खजुराहो प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव अचानक स्थानीय बस स्टॉप पर रुके और वहां मौजूद कॉलेज की छात्रङ्कछात्राओं से आत्मीयता से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने छात्रों से उनकी पढ़ाई, करियर और आवश्यक सुविधाओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं।

मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के खातों में 1857 करोड़ डाले

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने पूरे मंत्री-मंडल के साथ दो दिवसीय खजुराहो से सरकार चला रहे है, कन्वेंशन सेंटर खजुराहो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई. इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव छतरपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र राजनगर के सती की मढ़िया के पास आयोजित महिला सम्मेलन में शामिल हुए, मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की लाड़ली बहना योजना की 31वीं किस्त 1 करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में लगभग 1857 करोड़ 62 लाख रुपये डालें।

1980-81 की मतदाता सूची में नाम को लेकर...

सोनिया गांधी को दिल्ली के सेशन्स कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली के सेशन्स कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक रिवीजन पिटीशन पर नोटिस जारी किया है। इस याचिका में 1980-81 की मतदाता सूची में सोनिया के नाम को लेकर दायर शिकायत को मजिस्ट्रेट की ओर से खारिज किए जाने को चुनौती दी गई है।

कोर्ट ने राज्य और ञ्रष्टक्र (ट्रायल कोर्ट रिकॉर्ड) को भी नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। शिकायतकर्ता का कहना है कि 1980 में, जब सोनिया गांधी भारतीय नागरिक नहीं थीं, तब उनका नाम मतदाता सूची (वोटर लिस्ट) में जोड़ दिया गया था।

बाद में 1982 में उनका नाम हटाया गया और 1983 में जब उन्होंने नागरिकता हासिल कर ली, तो फिर से नाम जोड़ दिया गया। 11 सितंबर 2025 को, दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में स्रद्धक्रकी मांग को खारिज कर दिया।

कोर्ट ने कहा था कि शिकायत कानूनी रूप से सुनवाई के योग्य नहीं थी, साक्ष्यों की कमी थी और मामला अदालत के अधिकार क्षेत्र से भी बाहर था। अब शिकायतकर्ता ने उस फैसले के खिलाफ रिवीजन पिटीशन दायर की है।

छग के पूर्व सीएम के पीएस रहे अफसर की बेटी का रिसेप्शन

अमन सिंह की बेटी के रिसेप्शन में शामिल हुए दिग्गज राजनेता, आशीर्वाद दिया

भोपाल, सांध्यप्रकाश। सौदान सिंग ने बताया कि भोपाल के ताज होटल में अडानी ग्रुप के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं मेरे पारिवारिक सदस्य अमन सिंह व यास्मीन की सुपुत्री खुश्बू के विवाह उपरांत समारोह में सम्मिलित हुआ। उत्तम व्यवस्थाओं, आत्मीय आतिथ्य और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण ने मन आनंदित किया। नवविवाहित दंपती को हार्दिक शुभकामनाएं–उनका दांपत्य जीवन प्रे5म, सुख, समृद्धि और मंगलकामनाओं से सदैव आलोकित रहे। बता दें, छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह के शासन काल में उनके प्रमुख सचिव रहे अफसर अमन सिंह की बेटी खुशबू का भोपाल में रिसेप्शन हुआ। भोपाल के होटल ताज लेक फ्रंट में आयोजित आशीर्वाद समारोह में देश की कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। रिटायर्ड

आईआरएस अधिकारी अमन सिंह की बेटी के रिसेप्शन में शामिल होने के लिए अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी और अडाणी इंटरप्राइजेज के एमडी प्रणव अडाणी भी भोपाल पहुंचे।

छत्तीसगढ़ के सीएम सहित कई हस्तियां शामिल हुईं – छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, गजेंद्र सिंह शेखावत, छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, सांसद राजीव प्रताप रूडी सहित कई दिग्गज नेता भोपाल पहुंचे साथ ही प्रदेश के विधानसभी अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने ताज होटल में आयोजित आशीर्वाद समारोह में भाग लिया।

अडाणी ग्रुप से जुड़े हैं अमन सिंह– अमन कुमार सिंह, नवंबर 2022 में अडाणी समूह से जुड़े और ग्रुप हेड ,कॉर्पोरेट ब्रांड कस्टोडियन एंड एपेक्स मेंबर के रूप में कार्यभार संभाला था। उनके यहां आशीर्वाद समारोह में अडाणी इंटरप्राइजेज के एमडी प्रणव अडाणी शामिल होने भोपाल पहुंचे।

सांध्यप्रकाश विशेष

अहिंसा के नाम पर अनदेखी हिंसा समय की पुकार और आत्मचिंतन

(भाग- प्रथम)

मैंने एक पुराने मेगजीन में सरोजिनी नायडू द्वारा बापू से कहा गया एक वाक्य पढ़ा था- बापू ! आपकी गरीबी हमें बहुत महंगी पड़ रही है। यह वाक्य आज बार-बार मन में गूँजता है, विशेषकर जब मैं देखता हूँ कि जैन साधु-साध्वियों के अहिंसा व्रत को निभाने के लिए समाज अनजाने में कितनी महा हिंसा में उलझता जा रहा है। अहिंसा की रक्षा के नाम पर हो रही यह अनदेखी हिंसा कहीं हमारी दृष्टि से ओझल तो नहीं हो गई? वर्तमान समय में कई दृश्य अत्यंत पीड़ादायी प्रतीत होते हैं। साधु-साध्वियों के पैदल विहार, अहिंसा यात्राएँ, भव्याती-भव्य चातुर्मास प्रवेश और विशाल पैदल संघ देखने में परंपरागत गौरव प्रतीत होते हैं, परंतु इनके पीछे छिपी वास्तविकता कुछ और ही सन्देश दे रहें हैं ।पैदल विहार के दौरान श्रावकों को भी लंबी दूरी पैदल चलना पड़ता है, और साथ-साथ भारी-भरकम वाहन, कारें, बसे, ट्रक, रसोई का साज-समान, टेंट, सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाएँ चलती हैं। इन सबमें खेत-खलिहानों और रास्तों में अनगिनत जीवों की हिंसा हो जाती है जो की अनावश्यक हैं। क्या यह वही अहिंसा है, जिसे बचाने के लिए हमारे संत निकले हैं? यदि साधु-वृंद संयत रूप से वाहनों का उपयोग कर लें तो हिंसा का महाअल्पीकरण संभव है। परंपरा भी सुरक्षित रहेगी और अनावश्यक हिंसा से भी बचा जा सकेगा।

चातुर्मास का स्वरूप आज अत्यधिक बदल गया है। बड़े-बड़े पांडाल, भव्याती-भव्य पत्रिकाएँ, विशाल स्वागत-शोभायात्राएँ, सैकड़ों स्वयंसेवक और महँगी व्यवस्थाएँ-इन सबमें समाज का मान-सम्मान बढ़ता है, यह मात्र भ्रम है। न पुण्य की वृद्धि होती है, न गौरव का विस्तार-बल्कि बढ़ते हैं केवल कर्म, मोह, हिंसा और जग-हँसाई। इसी प्रकार कई पैदल संघ आज केवल एक प्रकार के ÷पिकनिक संघ÷ बनकर रह गए हैं। हर 10ङ्क15 किलोमीटर पर पड़ाव, खेतों में टेंट, रात्रि-विश्राम-इन व्यवस्थाओं में अनगिनत जीवों का विस्थापन और हिंसा सहज रूप से घटित होती है। क्या यह आवश्यक है ? क्या इन जीवों को बचाया नहीं जा सकता हैं?

शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि साधु-वृंद समाज पर भार न बनें। परंतु आज परंपरा की आड़ में अनजाने में अहिंसा के लिए हिंसा, दिखावा और अनावश्यक व्यवस्थाओं का जाल समाज को जकड़ता जा रहा है। अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए यदि अनावश्यक हिंसा बढ़े तो यह दृष्टि-दोष है, जिसे पहचानने की आवश्यकता है।

(क्रमश-भाग दूसरा अगले अंक में)
सुगाल चंद जैन, चेन्नई

सोशल मीडिया से

कविता

मैं उनका ही होता

मुक्तिबोध

कवि -ओलोचक गजानन माधव मुक्तिबोध का अल्पायु में निधन हो गया था। भूरी भूरी खाक धूल, चांद का मुंह डेढ़ा है, सतह से उठता आदमी, एक साहित्यिक की डायरी, कामायनी एक पुनर्विचार प्रमुख कृतियां प्रकाशित हैं।

मैं उनका ही होता, जिनसे
मैंने रूप-भाव पाए हैं।
वे मेरे ही लिए बँधे हैं
जो मर्यादाएँ लाए हैं।

मेरे शब्द, भाव उनके हैं,
मेरे पैर और पथ मेरा,
मेरा अंत और अथ मेरा,
ऐसे किंतु चाव उनके हैं।

मैं ऊँचा होता चलता हूँ
उनके ओछेपन से गिर-गिर,
उनके छिछलेपन से खुद-खुद,
मैं गहरा होता चलता हूँ।

जिला किसान कांग्रेस भोपाल ग्रामीण में 9 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति

बैरसिया, सांध्यप्रकाश। जिला किसान कांग्रेस भोपाल ग्रामीण के अध्यक्ष राम भाई मेहर ने मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान की स्वीकृति प्राप्त कर संगठन विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 9 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। नवनियुक्त पदाधिकारियों में शिवराज सिंह गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष, नजीराबाद गौपाल गौर उप ब्लॉक अध्यक्ष, रुनाहा फत्तू लाल कुशवाह 'पप्पू भैया' ब्लॉक अध्यक्ष, बैरसिया विकास यादव उप ब्लॉक अध्यक्ष, सोहाया रिंकू दांगी ब्लॉक अध्यक्ष, हर्राखेड़ा राजू जाट ब्लॉक अध्यक्ष, ईंटखेड़ी फूल सिंह धनगढ़ उप ब्लॉक अध्यक्ष, परवलिया सोनू मीणा उप ब्लॉक अध्यक्ष, पंचमुखी दीपक यादव नगर अध्यक्ष शामिल है। राम भाई मेहर ने बताया कि नव नियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की अपेक्षा है। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए किसान कांग्रेस की नीतियों को गांव-गांव तक पहुँचाने का आह्वान किया।

ड्रोन सर्चिंग से लेकर ऑपरेशन ईगल तक तेज़ कार्रवाई

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार, खेती और वितरण के विरुद्ध चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान में लगातार निर्णायक कदम उठाते हुए बीते तीन दिनों में बड़ी सफलताएं प्राप्त की है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन पर प्रदेशभर में पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए जिलों में सघन अभियान चलाया, जिसके तहत भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए गए और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। खरगोन- थाना महेश्वर क्षेत्र में पुलिस की तीन टीमों द्वारा संयुक्त रूप से अवैध गांजा खेती पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग प्रकरणों में कुल 278 पौधे (लगभग 197 किलो गांजा) जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रूपए है। तकनीक आधारित कार्रवाई में थाना कुकड़ेश्वर, रामपुरा एवं मनासा पुलिस टीम ने ड्रोन सर्चिंग के माध्यम से अवैध गांजा खेती का खुलासा किया। पुलिस ने मौके से लगभग 3.25 क्विंटल बरामद किए, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख 88 हजार रूपए है। इसके अलावा, थाना रतनगढ़ पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में 714 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया।

रंगों एवं नाटक के माध्यम से हुनर दिखाकर दिया सामाजिक संदेश

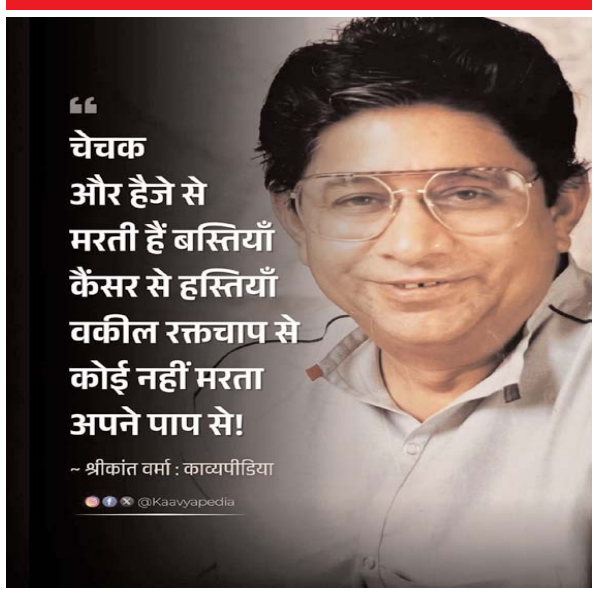

भोपाल, सांध्यप्रकाश। रंगों के माध्यम से सामाजिक संदेश देते हुए सजी हुई रंगोली, ऐड-मैड शो में क्रिएटिविटी का संगम, नुक्कड़ नाटक के द्वारा प्रभावी सन्देश सभी प्रतियोगियों के उत्साह को चरम सीमा पर बढ़ा रहे थे। चाहे फ्लेमलेस कुकिंग में अत्यंत ही स्वादिष्ट व्यंजनों को बनाया जाना या फिर टैलेंट हंट के मंच से प्रतिभा का समुंदर देखकर निर्णायक मंडल द्वारा तारीफें करना, सभी ओर चर्चा थी मध्य भारत के सबसे प्रसिद्ध अन्तर-कॉलेज इवेंट कार्निवल 2025 की। संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के द्वारा आयोजित कार्निवाल में नौ इवेन्ट्स, भोपाल एवं अन्य शहरों के 30 से ज्यादा कॉलेज एवं 500 से ज्यादा प्रतिभागियों का समावेश हुआ। दूर तक फैले बोरवन के अंदर छिपे हुए क्लू को ढूंढ़कर लाना कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए बेहद रोमांचकारी अनुभव रहा। विभिन्न नृत्य प्रस्तुतियों के द्वारा प्रतिभागियों का लाजवाब प्रदर्शन देखा गया। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' थीम पर प्रस्तुत नृत्य को देखकर सभी दर्शकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। ट्रेडिशनल वॉक में भारतीय संस्कृति के विभिन्न रूपों को इंद्रधनुष के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कार्निवल के आयोजन में सभी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ संस्थान की छात्राएँ ही निभाती है, जिन्हें फैकल्टी मेंबर्स का गाइडेंस मिलता रहता है। यह ग्यारहवाँ वर्ष है, जहां पर विभिन्न प्रकार के हुनर को कार्निवल के रूप में एक मंच पर पिरोया गया। इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था आलम बैंड के द्वारा संगीतमय सूफी गीतों की प्रस्तुति, जिनके कलाकारों के मधुर स्वरों ने सभी श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में सबसे अधिक प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतने पर संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, ग्रुप एडवाइजर पी. ऐस. राठौर एवं डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफ़ेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च भोपाल को ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी एवं जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी भोपाल को रनर-अप ट्रॉफी प्रदान की।

वेद मंत्रों के साथ 9 कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ, तुलसी वितरण के साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राजधानी के दशहरा मैदान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अयोध्या बायपास में महिला मंडल गायत्री प्रज्ञापीठ ट्रस्ट बरखेड़ा की ओर से शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय महायज्ञ की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई तथा दूसरे दिन महायज्ञ एवं संध्याकालीन नारी जागरण संगीतमय दीप महायज्ञ शांतिकुंज प्रतिनिधि केपी दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।दीप महायज्ञ में देव कन्याओं द्वारा अनोखी नव जागरण संदेश देती मशाल यात्रा की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर श्रीमती मधु शर्मा द्वारा बाल संस्कारशाला एवं प्रोफेसर संध्या पांडे द्वारा नारी जागरण विषय पर जनसमूह को प्रभावशाली संदेश दिया गया।महायज्ञ की पूर्णाहूति रविवार को अत्यंत उत्साह के साथ पूर्ण हुई। आने वाली पीढ़ी संस्कारित हो इस हेतु एवं महिला जागरण उद्देश्य से महिला पुरोहित द्वारा विभिन्न संस्कार जैसे विद्यारंभ दीक्षा जनेऊ एवं पुंसवन संस्कार संपन्न कराए गए।

भोपाल, सांध्यप्रकाश। महापौर मालती राय ने स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महापौर हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर सभी समस्याओं को हल करने हेतु आदेशित किया। हेल्पलाइन नं 155304।

मध्यप्रदेश पुलिस ने विभिन्न जिलों में गुम हुए 2 करोड़ रुपए से अधिक के 944 मोबाइल खोजकर उनके मालिकों को सौंपे

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस ने नागरिकों को तकनीक-सहायता सेवाएं उपलब्ध कराने और गुम मोबाइल फोन की खोज को गति देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस टीमों ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से प्रभावी ट्रेसिंग करते हुए 2 करोड़ 13 लाख 82 हजार रूपए के कुल 944 गुम मोबाइल फोन खोजकर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों के सुपुर्द किया है। यह उपलब्धि पुलिस की तकनीकी दक्षता, त्वरित समन्वय और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। ये सभी कार्यवाहियाँ विगत एक सप्?ताह की अवधि में पूरी की गई है।

ग्वालियर- लगातार जारी अभियान से 736 मोबाइल व टैबलेट खोजे: पुलिस ने निरंतर चल रहे तकनीकी अभियान के तहत जुलाई से दिसंबर 2025 की अवधि में 736 मोबाइल व टैबलेट बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे हैं। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 01 करोड़ 82 लाख रूप्ए है।

सतना 102 मोबाइल की बरामदगी: सतना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए सीईआईआर पोर्टल की सहायता से कुल 102 गुम मोबाइल फोन ट्रेस कर नागरिकों को लौटाए। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख 35 हजार रूपए है।

अलीराजपुर जिले में सायबर सेल पुलिस ने ऑपरेशन हेलो के तहत 69 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिनकी कुल कीमत लगभग 8 लाख 97 हजार रूपए है। ये मोबाइल फोन संबंधित आवेदकों को सौंप दिए गए हैं। मऊगंज पुलिस ने ऑपरेशन रिंग टोन के तहत 37 मोबाइल फोन, सफलतापूर्वक खोजकर आवेदकों को सौंपे है। जिनकी कुल कीमत 6 लाख 50 हजार रूपए है। मध्यप्रदेश पुलिस नवीन तकनीक, त्वरित कार्रवाई और पारदर्शी कार्यशैली के माध्यम से गुम मोबाइल फोन बरामदगी को नई दिशा दे रही है।

मध्य प्रदेश में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण को 100 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में सशक्त पहल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी मध्यप्रदेश शासन द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य स्तरीय संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण को सार्वभौमिक एवं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री विकास मिश्रा, आयुक्त, ष्ठश्वस् द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जन्म लेने वाला हर बच्चा–बिना किसी अपवाद के जन्म प्रमाण-पत्र प्राप्त करें, यह हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने पंचायत, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, नगरीय प्रशासन विभाग एवं चिकित्सा संस्थानों के बीच मज़बूत समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य बिंदुः यूनिसेफ की प्रतिनिधि श्रीमती पूजा सिंह ने कहा कि जन्म प्रमाण-पत्र बच्चों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, स्वास्थ्य लाभों और शैक्षिक अधिकारों तक पहुँच का आधार है। डॉ. सुनीत टंडन डीन गांधी मेडिकल कॉलेज ने अस्पताल में जन्म प्रमाण-पत्र की डिजिटल और सुगम प्रक्रिया का उदाहरण साझा किया और इसकी अन्य अस्पतालों में विस्तार की आवश्यकता बताई। ष्ठश्वस् द्वारा यह भी घोषित किया गया कि अब राज्य में हर बच्चे–विशेषकर बाल देखभाल संस्थाओं और दत्तक ग्रहण केंद्रों में रहने वाले बच्चों का समय पर जन्म पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यशाला में विवाह पंजीकरण को भी मजबूत ष्टक्रङ्कस् प्रणाली के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में चर्चा में शामिल किया गया। प्रो. अनुपमा रावत ने योजना निर्माण एवं जिला स्तरीय निर्णय प्रक्रिया में सटीक डेटा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। श्री शरद दुबे, सेवानिवृत्त एसपी ने जमीनी अनुभवों और सामुदायिक स्तर पर रिपोर्टिंग को मजबूत करने के सुझाव साझा किए। संजीव दुबे, नगरीय प्रशासन विभाग ने सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त नगरीय क्षेत्रों के मुद्दों और उनमें बेहतर समाधान के लिए पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला में ष्ठश्वस्, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा महाविद्यालयों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं सहित 160 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। सत्र अत्यंत संवादात्मक रहे और कई उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। आयुक्त श्री मिश्रा ने पुनः यह प्रतिबद्धता दोहराई कि प्रदेश में हर जन्म और हर मृत्यु का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा हर बच्चे यहाँ तक कि CCIs और दत्तक केंद्रों में रहने वाले बच्चों को जन्म से ही कानूनी पहचान प्रदान की जाएगी।

नवजीवन सेवा समिति ने 10 दृष्टिबाधित बच्चों को ज्योति एआई प्रो किट एवं 12 श्रवण बाधित बच्चों को विशेष एप्स युक्त मोबाइल वितरित किए

दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण हेतु संस्था संकल्पितः सत्येंद्र अग्रवाल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। नवजीवन सेवा समिति और माता महालक्ष्मी अन्न क्षेत्र समिति के तत्वाधान में दिव्यांग बच्चों की शैक्षणिक एवं तकनीकी प्रगति के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 10 दृष्टिबाधित बच्चों को अत्याधुनिक ज्योति एआई प्रो किट ओर 12 श्रवण बाधित बच्चों को उनकी पढ़ाई और संचार को सरल बनाने हेतु आधुनिक मोबाइल फोन समिति अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल और नवनीत अग्रवाल ने प्रदान करते हुए उपस्थित जनों को बताया कि नवीन तकनीक पर आधारित यह किट इन बच्चों के लिए तीसरे नेत्र की तरह कार्य करती है और उन्हें पढ़ाई तथा दैनिक कार्यों में पूर्णत- सक्षम बनाती है समिति प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया किट के माध्यम से बच्चे टेक्स्ट रीडिंग, वस्तु एवं रंग पहचान, मुद्रा पहचान, साथ ही दृश्य वर्णन जैसी सुविधाओं

का लाभ ले सकेंगे। इस किट में एक 5जी स्मार्टफोन में विशेष एप्स इंस्टॉल कर दिए गए हैं, जिससे बच्चे तुरंत इसका उपयोग प्रारंभ कर सकते हैं। इन मोबाइल में ऐसे एप्स उपलब्ध कराए गए हैं जो इन बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को सहज, सरल और प्रभावी बनाते हैं। कार्यक्रम में विनय अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, राजीव दिवाकर, विनीता दिवाकर, रितेश खरे, प्रदीप विश्वकर्मा, मनोज चोकसे, मीरा कांटेवाला, नटवर कांटेवाला, स्पर्श भवन के दिव्यांग बालक-बालिका विद्यालय की अधीक्षक लता मालाकार सहित अन्य शिक्षक, समाजसेवी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सैनिकों का बलिदान हमारे राष्ट्र चेतना का प्रकाश है और तिरंगे संग किया गया हर संकल्प देशभक्ति की नई ऊर्जा जगाता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। सशस्त्र सेना झंडा दिवस - राष्टभक्ति, कर्तव्य और कृतज्ञता का दिवस - स्वर्ण जयंती पार्क, कोलार रोड, भोपाल की निर्मल प्रकृति - पानी के कुंड के पास बहती कल - कल करती नदी, औषधीय पेड़ों की शांति, पक्षियों का संगीत और शीत ऋतु के सूर्योदय की सुनहरी किरणों के बीच - योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में निःशुल्क योगाभ्यास कर रहे सभी साधकों के चेहरों पर आनंद, ऊर्जा और कृतज्ञता झलकती है। हाथों में तिरंगा लिए यह दृश्य, सशस्त्र सेना झंडा दिवस का एक प्रेरक संदेश देता है कि हम अपने वीर सैनिकों के बलिदान को स्मरण करते हुए, राष्ट्र की रक्षा करने वाले हर वीर के प्रति श्रद्धा जताएँ और उनके परिवारों के सम्मान एवं कल्याण हेतु आगे आएँ। योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस और अमर बलिदान की पावन स्मृति है। जो देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करते हैं, उनका ऋण कोई चुका नहीं सकता। यह दिवस हमें कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की अमूल्य सीख देता है। स्वर्ण जयंती पार्क में योग साधना करते हुए तिरंगे की शान हमारे हृदय को गौरव से भर देती है। प्रकृति के बीच स्वास्थ्य लाभ की अनुभूति हमें सैनिकों के कठिन तप और त्याग की याद दिलाती है। योग के माध्यम से हम अपने शरीर और मन को मजबूत कर राष्ट्र-निर्माण में योगदान कर सकते हैं। सैनिक सीमाओं की रक्षा करते हैं, हम समाज की - यह भावना हर नागरिक में जागृत होनी चाहिए।तिरंगे के साथ किया गया हर प्रण देशभक्ति का संदेश देता है। सशस्त्र बलों के परिवारों का सहयोग और सम्मान करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। आइए, उनके बलिदान को नमन करें और राष्ट्हित के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लें। स्वस्थ शरीर, शांत मन और सेवा भाव ही सच्ची देशभक्ति की नींव है। आज के दिवस पर हर हृदय बोले - जय हिन्द, जय सैनिक !

सारंगपुर हनुमान मंदिर गुजरात

खजुराहो में मीडिया से चर्चा कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी जानकारी

सिंचाई, उद्योग, पेयजल के लिए जल की कमी को पूरा किया जाएगा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड में केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से बुन्देलखंड में सिंचाई, उद्योग, पेयजल के लिए जो जल की कमी थी उसे पूरा किया जाएगा। नदी जोड़ो अभियान के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 90 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से सिंचाई, उद्योग के लिए पर्याप्त जलराशि का प्रबंध किया जाएगा। नदी जोड़ो अभियान की प्रगति में मध्यप्रदेश सबसे अग्रणी राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर में विभागीय समीक्षा बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड समेत समूचे मध्यप्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। छतरपुर में ओबेरॉय होटल का शुभारंभ इसी की एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में पर्यटन के साथ-साथ खनन एवं मेडिकल के क्षेत्र में विकास के लिये अनेक कार्य किये जा रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार के माध्यम से बुन्देलखंड का विकास एवं उत्थान के लिये कार्ययोजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड कैसे आगे बढ़े इस पर लगातार सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास एवं उत्थान के लिए सरकार कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुन्देलखंड शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सागर में रानी अवंतिबाई महाविद्यालय का निर्माण, छत्रसाल विश्वविद्यालय के लिए धनराशि का आवंटन, पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों की स्थापना की गई है। इसी के साथ बुन्देलखंड अंचल में मेडिकल कॉलेज की भी स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष प्रत्येक विद्यार्थी को रोजगार मिले, इस दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार और जनता के बीच दूरी कम करने के लिए अब अलग-अलग क्षेत्रों के विकास के लिए उन्हीं क्षेत्रों में कैबिनेट मीटिंग आयोजित की जाएगी। खजुराहो में आयोजित कैबिनेट बैठक इसी दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इसी माह की 21 तारीख को भोपाल नगर को मेट्रो की सौगात दी जाएगी। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर सरकार द्वारा लगभग दो लाख करोड़ के अलग-अलग कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2026 कृषि के संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के विकास एवं उनके उत्थान के लिए समर्पित होगा। कृषि से आय के साधन बढ़ानेकृषि आधारित उद्योगों की स्थापना, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना समेत सभी कृषिगत औद्योगिक गतिविधियों से कृषि क्षेत्र के विकास के लिए सतत कार्य वर्षभर किये जाएंगे।

सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का भोपाल आगमन पर आत्मीय स्वागत किया।

भोपाल में भजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी के निवास पहुंचकर उनसे सौजन्य भेंट की।

आज छिंदवाड़ा में सीएम से लेकर कई बड़े मंत्री रहेंगे मौजूद

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश। जिले में आज राजनीतिक हलचल अपने चरम पर है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार दोपहर बाद सीधे खजुराहो से छिंदवाड़ा आ रहे हैं। उनका यह दौरा बेहद संक्षिप्त लेकिन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीएम यहां भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव के सुपुत्र के विवाह आयोजन (आशीर्वाद समारोह) में शामिल होंगे और वर-वधू को आशीर्वाद देंगे।

सुरक्षा-ट्रैफिक व्यवस्था अलर्ट पर

सीएम के दौरे को लेकर प्रशासन, पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। शहर भर में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा किया गया है, वहीं ट्रैफिक रूट में भी जरूरी बदलाव किए गए हैं ताकि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान कोई अवरोध न हो। सभी तैयारियां फुलप्रूफ बताई जा रही हैं।

कई मंत्री भी पहुंचेंगे छिंदवाड़ा

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री भी आज छिंदवाड़ा पहुंचेंगे। इसमें नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल, पीडब्ल्यूडी एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह के भी आने की संभावना है। स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी संभव वैवाहिक कार्यक्रम में मौजूदगी के दौरान सीएम और मंत्रीमंडल के नेता स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। चर्चा है कि इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों पर भी बातचीत हो सकती है।

संदीप रघुवंशी, बीएल सन्तोष से मिले

छिंदवाड़ा। भाजपा नेता संदीप रघुवंशी ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी.एल.सन्तोष से मुलाकात की सौजन्य भेंट में उन्होने मॉ कामख्या देवी का प्रसाद उन्हें दिया एवं संगठन संबंधी चर्चा की।

चार जिलों में बनेंगे विशेष जनजातीय सांस्कृतिक केंद्र

छात्रावास होंगे आधुनिक, विदेश अध्ययन के लिए मेरिट बनेगी आधार

स्थानीय जनजातीय नायकों के बलिदान के लिये होंगे स्थानीय आयोजन

मुख्यमंत्री ने खजुराहो में की अनुसूचित जाति कल्याण और जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में अनुसूचित जाति कल्याण और जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा कर रहे थे। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छात्रों के हित के लिए छात्रावासों में नवीन तकनीक का उपयोग कर उन्हें आधुनिक बनाया जाए। निर्माणाधीन छात्रावास भवनों का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। उच्च शिक्षा एवं स्वरोजगार योजनाओं के तहत युवाओं को ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को त्वरित और सरल बनाने के निर्देश भी दिए गए।

जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की समृद्ध जनजातीय विरासत को सहेजने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि विशेष पिछड़ी जनजातियों की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए संबंधित क्षेत्रों में %जनजातीय सांस्कृतिक केंद्र% स्थापित किए जाएं। इसके अंतर्गत मंडला में बैगा जनजाति, छिंदवाड़ा में भारिया जनजाति, श्योपुर में सहरिया जनजाति और धार में भील जनजाति के लिए सांस्कृतिक केंद्र बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में %पीएम जनमन योजना% और %धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान% को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इन योजनाओं से न केवल मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, बल्कि %आदि कर्मयोगी अभियान% में समाज में प्रतिबद्ध नेतृत्व भी तैयार किए जाएं, जिससे जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय पूजा स्थलों (देव स्थानों) का उन्नयन करने और स्थानीय जनजातीय नायकों के बलिदान का स्मरण करने के लिए स्थानीय स्तर पर भव्य आयोजन करने के भी निर्देश दिए। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान,मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति कल्याण श्री ई रमेश कुमार, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य गुलशन बामरा उपस्थित थे।

दो वर्षों की उपलब्धियां: अनुसूचित जाति विभाग द्वारा पिछले दो वर्षों में छात्रावासों की सीट क्षमता का अधिकतम उपयोग किया गया है और वर्तमान में लगभग 90 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी जा रही हैं। विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 31 नए विद्यार्थियों का चयन किया गया है। 24 विद्यार्थी पहले से अध्ययनरत हैं। सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को पीएससी एवं एपीपीएससी की तैयारी के लिए आर्थिक सहायता और आवास सुविधा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2024-25 में कुल 271 विद्यार्थियों ने विभिन्न स्तरों पर सफलता प्राप्त की है।

बीएमएस के नेतृत्व में होंगे बड़े वृहद संभागीय सम्मेलन

पंचायत सचिवों के हक-अधिकार के लिए जल्द होगा भव्य 'महा-महापंचायत', मुख्यमंत्री व पंचायत मंत्री होंगे आमंत्रित

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन और मध्य प्रदेश पंचायत सचिव महासंघ का एक संयुक्त प्रतिनिधि मंडल आज भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में ठेंगड़ी भवन, भोपाल स्थित बीएमएस के प्रधान कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए एकत्र हुआ। बैठक में संयुक्त मोर्चा के गठन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। प्रतिनिधियों ने घोषणा की कि आज से प्रदेश के सभी पंचायत सचिव एक एकीकृत संयुक्त मोर्चे के रूप में कार्य करेंगे। यह मोर्चा भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में प्रदेश की ग्राम पंचायतों में पदस्थ पंचायत सचिवों के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित संघर्ष करेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पूरे प्रदेश में जिला एवं संभागीय सम्मेलन चरणबद्ध तरीके से आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद राजधानी भोपाल में पंचायत सचिवों की भव्य महा-महापंचायत / महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस महासम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को आमंत्रित कर स्वागत-अभिनंदन किया जाएगा तथा पंचायत सचिवों की मांगें पूरी करने का आग्रह किया जाएगा। बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए आजाद पंचायत कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हाकिम सिंह यादव ने अपने संगठन का पंचायत सचिव महासंघ में पूर्ण विलय करने की घोषणा की, जिससे संयुक्त मोर्चे की शक्ति और भी बढ़ गई है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे महासंघ अध्यक्ष राजेश पटेल, पंचायत सचिव संगठन के प्रांताध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, उपाध्यक्ष खुमान सिंह चौहान, प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह रघुवंशी, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मेंद्र जोशी, देवास जिला महामंत्री इंदर सिंह डाबर, महासंघ महामंत्री अर्जुन सिंह सोलंकी, प्रवक्ता अशोक मराठे, शिवराज सिंह रघुवंशी, अवधेश सिंह, रामगोपाल विश्वकर्मा, एवं बड़ी संख्या में पंचायत सचिव।

12 हजार से ज्यादा दैवेभो को किया जाएगा नियमित

भोपाल, सांध्यप्रकाश। भोपाल नगर निगम में लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतन भोगी (दैवेभो) कर्मचारियों और विनियमित कर्मियों के भविष्य को लेकर बड़ा निर्णय लिया जाने वाला है। निगम में 12 हजार से अधिक दैवेभो कर्मचारियों के विनियमितिकरण और 1215 विनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की तैयारी तेज हो गई है। इस संबंध में निगम अधिकारियों ने प्रस्ताव का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया है, जिसे 30 दिसंबर को होने वाली परिषद की बैठक में रखा जाएगा। निगम परिषद का मानना है कि यह मुद्दा सालों से लंबित है और कर्मचारियों को उनके अधिकार मिलने चाहिए। कई दैवेभो कर्मचारी 10 से 15 वर्षों से 29 दिवसीय व्यवस्था में कार्य कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें स्थाई कर्मचारी का दर्जा नहीं मिल सका। प्रस्ताव पास होने के बाद इसे शासन की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाया जाएगा। महापौर मालती राय पहले ही बैठक में इस प्रस्ताव को लाने की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने पुष्टि की है कि अगली बैठक में नियमितिकरण और विनियमितिकरण से जुड़ा प्रस्ताव लाया जाएगा। कर्मचारियों में अब एक बार फिर उम्मीद जगी है कि लंबे इंतजार के बाद उन्हें स्थायित्व का लाभ मिल सकेगा।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 18 लाख के नकली नोट बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस को नकली नोट के अवैध कारोबार के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। उज्जैन एवं नीमच पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाईयों में कुल 18 लाख रूपये के नकली नोट जब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों से राज्य में सक्रिय नकली नोट नेटवर्क पर बड़ा प्रहार हुआ है।

उज्जैन पुलिस की कार्रवाई

थाना चिमनगंज मंडी एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 17 लाख 50 हजार रूपए के नकली 500 के नोट बरामद किए गए है। पूछताछ में उज्जैन-इंदौर के बीच सक्रिय एक संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। थाना चिमनगंज मंडी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर उज्जैन में डिलीवरी के उद्देश्य से आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने राजरायल कॉलोनी और पांड्याखेड़ी ब्रिज क्षेत्र में घेराबंदी की। इसी दौरान ब्रिज के नीचे दो संदिग्ध युवक मिले जो पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा। पकड़े गए युवको से पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम हिमांशु उर्फ चीनू गौसर निवासी गौघाट रेलवे कॉलोनी उज्जैन तथा दीपेश चौहान निवासी शिवगंगा सिटी, उज्जैन बताए। दोनों की तलाशी लेने पर हिमांशु के कब्जे से 11 लाख रूपए और दीपेश से 6 लाख 50 हजार रूपए के नकली नोट बरामद हुए। नोटों में सुरक्षा फीचर, धागा और माइक्रो प्रिंट जैसी चीज़ों की नकली कॉपी की गई थी, जिससे वे सामान्य नजर में असली प्रतीत होते थे। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे इंदौर में अरविन्दो अस्पताल के सामने स्थित श्री गंगा विहार कालोनी के एक फ्लैट में अपने साथी राजेश पिता टेकचंद बरबटे के साथ मिलकर नकली नोटों की छपाई करते थे। उन?होंने बताया कि वह 10 लाख रूपए नकली नोट के बदले 1 लाख रूपए असली नोट का सौदा किया करते थे। पूछताछ में यह भी ज्ञात हुआ की आरोपी हिमांशु पहले भी इंदौर में नकली नोट मामले में जेल जा चुका है।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने इंदौर स्थित फ्लैट पर दबिश दी। तलाशी में नोट प्रिंटिंग मशीन, हाई-सिक्योरिटी पेपर, सुरक्षा धागा, प्रिंटिंग केमिकल, कटर मशीन तथा बड़ी मात्रा में अधपकी एवं तैयार नकली नोट शीटें बरामद की गई। फ्लैट को पूरी तरह एक मिनी प्रिंटिंग यूनिट के रूप में तैयार किया गया था, जिससे स्पष्ट होता है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था। आरोपियो के विरूद्ध थाना चिमनगंज मंडी में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

नीमच पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल के निर्देशन में नकली नोट के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नीमच सिटी की टीम को सायबर सेल की मदद से बड़ी सफलता प्राप्त हुई। थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पासिंह चौहान के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में 500 रुपये के नोटों के 50 हजार रुपये मूल्य के नकली नोट जब्त कर आरोपी ईश्वर पिता वर्दीचंद खारोल निवासी ग्राम सरजना को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी सुनिल पिता श्यामदास बैरागी निवासी ग्राम सरजना के साथ मिलकर नकली नोट छापे थे। पुलिस द्वारा दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।इस प्रकार पुलिस ने इन दोनों कार्रवाइयों में लगभग 18 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट, प्रिंटिंग मशीन व अन्य सामग्री जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

संपादकीय

ट्रंप की एक और धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को एक और धमकी दी है। उन्होंने भारत से आने वाले चावल पर नए टैरिफ लगाने की बात कही है, इससे अमेरिका और भारत के बीच व्यापार को लेकर चल रही बातचीत को भी झटका लगेगा। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए भारी भरकम राहत पैकेज का ऐलान किया है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने कहा है कि वे भारत से अमेरिका के बाजार में चावल की डंपिंग यानि सस्ते दामों पर बेचने को ठीक कर देंगे। अमेरिका के कुछ हिस्सों के किसानों का कहना है कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड से आने वाला सस्ता चावल उनकी कंमाई को नुकसान पहुंचा रहा है। पहले से ही महंगाई और पिछले व्यापारिक फैसलों से परेशान किसानों के लिए यह एक और मुश्किल खड़ी कर रहा है।

ट्रंप ने कहा, 'उन्हें डंपिंग नहीं करनी चाहिए। मैंने यह सुना है, मुझे दूसरों से पता चला है। ऐसा नहीं किया जा सकता।' यह बयान अमेरिकी सरकार की उस कोशिश को दिखाता है, जिसमें वे अगले साल होने वाले मिडटर्म चुनावों से पहले किसानों की नाराजगी दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। किसान हमेशा से ट्रंप के समर्थक रहे हैं, लेकिन उनमें से कई लोग बढ़ती लागत और अनिश्चित कीमतों से जूझ रहे हैं। कुछ कीमतें तो ट्रंप के खुद के टैरिफ फैसलों से भी जुड़ी हुई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वे कनाडा से आने वाले फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लगा सकते हैं, ताकि घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिले।

ट्रंप अगर भारतीय चावल पर टैरिफ लगा देते हैं तो इससे चावल को अमेरिका भेजना मुश्किल होगा। ऐसे में किसानों को आर्थिक नुकसान हो सकता है। भारत के लिए ट्रंप की यह चेतावनी एक नाजुक समय पर आई है। नई दिल्ली वाशिंगटन के साथ एक बड़े व्यापार समझौते की कोशिश कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई खास सफलता नहीं मिली है। अमेरिका ने अगस्त में व्यापार बाधाओं और रूस से तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। इस हफ्ते एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भारत जाने वाला है, लेकिन उम्मीदें कम हैं कि उन टैरिफ को कम करने को लेकर कोई समझौता हो पाएगा। कुछ समय पहले ही भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अधर में अटक गई थी। इसका प्रमुख कारण कृषि उत्पाद रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार में डेयरी, मांस, सोया और कृषि उत्पादों के लिए अधिक जगह दे। भारत ने ऐसा करने से मना कर दिया था। अमेरिका भारतीय बाजार में अमेरिकी दूध, चीज, मक्खन और घी की एंट्री चाहता है। भारत ने ऐसा नहीं किया। सबसे बड़ा कारण धार्मिक और सांस्कृतिक आपत्ति भी है। दरअसल, अमेरिका में गायों को खाने में जानवरों की हड्डियों से बने एंजाइम मिलाए जाते हैं। भारत इसे 'नॉन वेज मिल्क' मानता है। ऐसे में भारत ने अमेरिकी डेयरी प्रोडक्ट को अपने यहां एंट्री देने से मना कर दिया।

ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 12 अरब डॉलर के सहायता पैकेज का ऐलान किया है। यह उन किसानों के लिए एक बड़ी राहत है जो चीन के साथ चल रहे व्यापार युद्ध के कारण अपनी फसल बेचने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। साथ ही, बढ़ती लागत ने उनकी परेशानियां और बढ़ा दी हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार दोपहर व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान इस योजना की घोषणा की। किसानों ने राष्ट्रपति को इस मदद के लिए धन्यवाद दिया।

अमेरिका अपने किसानों के लिए क्या कर रहा है, यह अलग बात है। भारत से यदि चावल का आयात अमेरिका कम करता है या उस पर अधिक टैरिफ लगाता है, तो निश्चित तौर पर इसका विपरीत असर भारत के किसानों पर पड़ेगा। हालांकि ट्रंप अमेरिकी किसानों के नाम पर यह सब कर रहे हैं, लेकिन इसके पीछे एक और कारण बताया जा रहा है। वह है पुतिन की हालिया भारत यात्रा। इसके पहले भारत ने रूस से तेल के आयात पर रोक लगाने से इंकार किया था। फिर, पुतिन की भारत यात्रा के दौरान रक्षा से लेकर कई कारोबारी समझौते भी हुए। इन सबसे अमेरिका चिढ़ा हुआ है। हो सकता है, ट्रंप भारत से होने वाले व्यापारिक समझौते के पहले कुछ और मुद्दों को उछालें और फिर, भारत पर अधिक टैरिफ थोप दें।

पौष शुक्ल पंचमी 9 दिसम्बर 1915 : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहब देवरस का जन्म

रमेश शर्मा

निरंतर हमलों के बीच भी यदि अपनी शताब्दी यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वरूप और कार्य में निरंतर निरंतर विस्तार हुआ है तो उसका आधार संघ की समयानुकूल व्यवहारिक कार्यशैली है। तृतीय सरसंघचालक बालासाहब जी देवरस भी संघ की कार्यशैली में ऐसे ही व्यवहारिक विस्तार देने के लिये जाने जाते हैं। उनकी प्रत्येक भोपाल यात्रा में संघ कार्य में विस्तार हुआ कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आया ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में हुई और लगभग डेढ़ वर्ष बाद नियमित शाखाएँ आरंभ हुईं। देवरसजी प्रारंभिक शाखा में ही स्वयंसेवक बने थे। तब उनकी आयु मात्र ग्यारह वर्ष थी। इस शाखा का शुभारंभ संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी ने स्वयं किया था। इस प्रथम शाखा में बालासाहब के साथ केशवराव वकील, त्र्यंबक झिलेदार, अल्हाड़ जी अंबेडकर, बापू रावदिवाकर, नरहरि पारखी, बाली यशकुण्यवर, माधवराव मुले और एकनाथ रानाडे भी थे। बाला साहब बचपन से बहुत कुशाग्र और तीक्ष्ण बुद्धि थे। विषय को सुनकर प्रस्तुतिकरण करने की उनमें अद्भुत क्षमता थी। इसलिये वे इस टोली के स्वभाविक समन्वयक के रूप में उभरे । डॉक्टरजी स्वयं इस शाखा के शिक्षक और संचालक थे। इस टोली की पूरी शिक्षा डॉक्टरजी के माध्यम से ही हुई। देवरसजी के विषय प्रस्तुतिकरण में भी डॉक्टरजी की झलक साफ होती थी। समय के साथ संघ की संकल्पना, शिक्षा और डाक्टरजी के मार्गदर्शन से वे इतने प्रभावित हुये कि उन्होंने संघ को माध्यम बनाकर अपना पूरा जीवन राष्ट्र और संस्कृति की सेवा केलिये समर्पित कर दिया। देवरसजी द्वारा प्रस्तुत विषयों में गहराई और व्यापकता बहुत विशिष्ट थी।

और उनकी अंतिम इच्छा के अनुरूप देवरसजी ने 6 जून 1973 को तृतीय ÷सरसंघचालक÷ का दायित्व संभाला। तब उनकी आयु 58 वर्ष थी। मधुमेह रोग ने भी उन्हें प्रभावित कर लिया था। फिर भी उन्होंने अपने शरीर और स्वास्थ्य की कोई परवाह नहीं की और देश व्यापी यात्रा करते रहे। उन्हीं दिनों भारत में मँहगाई विरोधी आँदोलन आरंभ हुआ था। यह आँदोलन जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहा था। जन सामान्य को मँहगाई से राहत दिलाने के इस आँदोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता बढ़ चढ़ भाग ले रहे थे। देवरसजी ने देशभर की व्यापक यात्राएँ की और राष्ट्रहित केलिये संपूर्ण समाज को एकजुट होने का आव्हान किया। उनकी इन यात्राओं से समाज में संघ को लेकर वे भ्रांत धारणाएँ स्पष्ट होने लगी जो कतिपय संघ विरोधी शक्तियों ने फैला रखीं थीं। उनकी इन यात्राओं से संघ के कार्यकर्ताओं में उत्साह आया कार्य विस्तार भी हुआ। मंहगाई विरोधी आँदोलन में संघ कार्यकर्ता एक बड़ी शक्ति थे। इस तथ्य से सरकार भी अवगत हो गई थी। इसलिये संघ के अधिकारियों की निगरानी बढ़ी। परिस्थितियों को देखकर देवरस जी को यह आभास हो गया था कि प्रधानमंत्री श्रीमती गाँधी कोई कड़ा निर्णय ले सकतीं हैं।

कुछ परंपराओं को व्यवहारिक बनाया

बालासाहब देवरस जी ने संघ की कुछ परंपराओं को समयानुकूल व्यवहारिक भी बनाया। इसमें सबसे पहले था ÷परम पूज्यनीय÷ संबोधन। जब उन्हें ÷परम पूजनीय सरसंघचालक श्री बालासाहब देवरस÷ संबोधित किया गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि ÷परम् पूज्यनीय÷ संबोधन केवल ÷सरसंघचालक÷ दायित्व के लिये हो, व्यक्ति के लिये नहीं।

बालासाहेब देवरस ने बौद्धिक परंपरा को भी उभय पक्षीय बनाया और विभिन्न स्तरों पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया । उनका मानना था कि यदि स्वयंसेवकों के मन में कोई प्रश्न उठ रहा है तो इसका समाधान होना चाहिए। इसलिये बौद्धिक समागम में शंका समाधान के लिये भी समय रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में सरसंघचालक का दायित्व सौंपने की एक परंपरा थी। सरसंघचालक अपने उत्तराधिकारी का चयन करके एक पत्र लिखकर रख देते थे। यह उनके निधन के बाद खोला जाता था। डॉक्टरजी के निधन के बाद उनका पत्र पढ़ा गया। और उनके अनुसार ही ÷गोलवलकर जी उपाख्य गुरुजी÷ को सरसंघचालक का दायित्व सौंपा गया और ÷गुरूजी÷ के पत्र के आधार पर यह दायित्व बालासाहब देवरस जी को मिला। लेकिन देवरस जी ने इस परंपरा में एक परिवर्तन किया। उन्होंने अपने जीवन काल में ही सरसंघचालक का दायित्व रज्जू भैया को सौंप दिया था।

देवरसजी की कुछ प्रमुख भोपाल यात्राएँ

अपनी देश व्यापी यात्राओं के क्रम में वे अनेक बार भोपाल आये। सरसंघचालक के रूप में भी और इससे पहले सरकार्यवाह एवं सहसरकार्यवाह के रूप में भी। उनके कुछ प्रमुख कार्यक्रमों एक आयोजन सरस्वती शिशु मंदिरों के विद्यार्थियों का समागम था । यह आयोजन तात्या टोपे नगर भोपाल के स्टेडियम में हुआ था। इसमें लगभग चार से अधिक बच्चे थे। नगर प्रबुद्धजनों की संख्या भी बहुत अधिक थे। इस समागम में देवरसजी ने हिन्दुत्व और सामाजिक स्वरूप की व्याख्या की थी। देवरसजी आधुनिकता के समर्थक तो थे लेकिन अपने स्वत्व एवं आत्म गौरव के साथ। उनका मानना था स्वत्व व्यक्ति का मूल है। जो अपने मूल से जितना गहरा जुड़ा होगा वह आकाश की उतनी ही ऊँचाई तक जा सकता है। अपने प्रबोधन में उन्होंने यही बात समझाने का प्रयास किया था।उनके संबोधन में दो धाराएँ बहुत स्पष्ट थीं। एक आव्हान बच्चों और किशोरों से था। उन्होंने उभरती पीढ़ी से सैद्धांतिक अडिगता के साथ समय के अनुरूप व्यवहारिक होने का संदेश दिया। जबकि समाज के वरिष्ठ और प्रबुद्ध जनों से भ्रांत धारणाओं से मुक्त होकर आगामी पीढ़ी को समाज के मूल स्वरूप से परिचित कराने का आव्हान किया। उनके व्याख्यान में हिन्दुत्व की व्याख्या के उदाहरण इतने प्रभावशाली थे कि आगामी दिनों में प्रबुद्ध जनों के विमर्श में प्रमुख विन्दु बने। उनकी एक अन्य यात्रा भोपाल स्थित वर्तमान भारत माता चौराहे के समीप भदभदा रोड पर भारतीय मजदूर संघ और विद्यार्थी परिषद भवन के भूमि पूजन के निमित्त बनी। इस आयोजन में भी संघ से सम्बद्ध कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त नगर प्रबुद्ध जनों को भी आमंत्रित किया गया था। कार्य व्यवहार की दृष्टि से देखे तो मजदूर संघ और विद्यार्थी परिषद दो अलग धाराएँ हैं पर देवरस जी का संबोधन दोनों संस्थाओं के लिये प्रेरक रहा। वे अपनी एक यात्रा में उन्होंने भोपाल के पत्रकारों से पृथक भेंट की थी।

संक्षिप्त जीवन परिचय

बालासाहब देवरस जी का पूरा नाम मधुकर दत्तात्रेय देवरस था लेकिन वे बालासाहेब देवरस के नाम से जाने गये। परिवार यद्यपि आन्ध्रप्रदेश का मूल निवासी था। लेकिन पिता दत्तात्रेय जी शासकीय सेवा के चलते मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में रहे। बालासाहब का जन्म मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में हुआ। इस नाते उन्हें मध्यप्रदेश से बहुत लगाव था। उनका जन्म स्थान बालाघाट जिले में करंजा नामक स्थान था। उनकी जन्म तिथि पौष शुक्ल पक्ष की पंचमी और विक्रम संवत 1972 था। जबकि ईस्वी कैलेंडर के अनुसार उनकी जन्मतिथि 11 दिसम्बर 1915 थी । इस वर्ष पौष शुक्ल पंचमी तिथि 9 दिसम्बर को पड़ रही है। पिता दत्तात्रेय कृष्णराव देवरस और माता पार्वती बाई दोनों भारतीय परंपराओं और मान्यताओं के लिये समर्पित थे । उनके जन्म के साथ ही पिता का स्थानान्तर नागपुर हो गया। इसके चलते बालासाहब की शिक्षा नागपुर के न्यू इंग्लिश हाई स्कूल में हुई। उन्होंने 1931 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की। नागपुर महाविद्यालय से वकालत पास की ।वे बाल स्वयंसेवक थे । पढ़ाई पूरी करके संघ के प्रचारक बने । प्रचारक के रूप में संघ कार्य विस्तार केलिये उन्हे पहला दायित्व बंगाल का मिला। 1946 में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के का सहसरकार्यवाह और 1965 सरकार्यवाह बने। 6 जून, 1973 को संघ के सरसंघचालक बने । उनके दायित्व संभालने के दो साल बाद ही देश में 25 जून 1975 को आपातकाल लागू हो गया 30 जून को देवरसजी गिरफ्तार कर लिये गये। उन्हें यरवदा जेल में रखा गया। 4 जुलाई 1975 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा जो 1977 तक जारी रहा। 21 मार्च 1977 को आपातकाल समाप्त हुआ और देवरसजी सहित संघ के अन्य कार्यकर्त्ता रिहा हो सके। आपातकाल के दौरान देवरस जी 20 महीनों से भी अधिक समय तक जेल में रहे।सरसंघचालक के रूप में उनके कार्यकाल में संघ पर दूसरी बार प्रतिबंध 1992 में लगा। यह अयोध्या में विवादास्पद बाबरी ढांचा ढहने के बाद 10 दिसंबर 1992 को नरसिम्हा राव सरकार ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था जो छै माह तक लगा रहा था । बालासाहेब 1994 तक सरसंघचालक रहे। स्वास्थ्य की गिरावट के कारण उन्होंने पद छोड़ दिया और प्रो. राजेंद्र सिंह उपाख्य रज्जू भैया को संघ का सरसंघचालक नियुक्त कर दिया था। समय अपनी गति से आगे बढ़ा और 17 जून 1996 को देवरसजी ने देह त्यागकर संसार से विदा ले ली ।

सतयुग से लेकर 21वीं सदी तक, परमात्मा दर्शन से लेकर होमो सेपियन्स बने मानव के तटस्थ साक्षी वृक्ष

सुशील कुमार जैन

सतयुग से लेकर 21वीं सदी तक मानव इतिहास का यदि कोई सबसे स्थायी, सर्वमान्य और सार्वभौमिक प्रतीक रहा है, तो वह है–वृक्ष। वे केवल प्रकृति के जैविक अंग नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना के वह स्तंभ हैं जिन पर मानव संस्कृति, धर्म और दर्शन की पूरी संरचना टिकी रही। बदलते युग, बदलते समाज और बदलते धार्मिक आयामों के बावजूद वृक्षों का महत्व कभी क्षीण नहीं हुआ। वे सतत आराधना, साधना, शरण, उपचार और प्रेरणा के स्रोत बने रहे।

भारतीय दर्शन में वृक्ष केवल प्रकृति के घटक नहीं, बल्कि चेतन अस्तित्व और आध्यात्मिक शक्ति के वाहक माने गए हैं। उपनिषदों ने उन्हें पृथ्वी का प्राण कहा है, वहीं पुराणों में वे देवताओं के निवास स्वरूप वर्णित हैं। यही कारण है कि भारत में वृक्ष छाया या फल-फूल का स्रोत भर नहीं रहे वे मनुष्य और दिव्यता के बीच एक पवित्र सेतु बनकर उभरे।

सतयुग में वृक्ष देवत्व थे। मानव जीवन प्रकृति के साथ एकाकार था। कल्पवृक्ष मनोकामना-पूर्ति का प्रतीक, वन देवताओं का निवास-स्थान, और वृक्ष स्वयं जीवनदायी देवता समझे जाते थे। इस युग में प्रकृति और धर्म अलग नहीं थे; दोनों एक ही मूल चेतना के दो स्वरूप थे।

त्रेता और द्वापर युग तक आते-आते वृक्ष आध्यात्मिक ग्रंथों और दार्शनिक परंपराओं का आधार बन गए। पीपल को विष्णु, बेल को शिव, तुलसी को लक्ष्मी और कदंब को श्रीकृष्ण का प्रिय बताया गया। रामायण और महाभारत में वृक्ष केवल छाया नहीं देते, बल्कि चरित्रों की साधना, वनवास, तपस्या और जीवन-यात्राओं के साक्षी बनते हैं। वन संस्कृति, आश्रम परंपरा और तपोवन–सभी वृक्षों की आध्यात्मिक महत्ता का ही विस्तार थे।

बौद्ध धर्म में वृक्ष मोक्ष का पर्याय बन गया। पीपल केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि 'बोधि' का प्रतीक है–ज्ञान का, जागरण का और मुक्त चेतना का। इसी प्रकार, जैन धर्म ने पौधों में भी जीव होने की स्वीकृति देकर वृक्षों को अहिंसा के शिखर पर स्थापित किया। तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग वृक्षों से जुड़े हैं, और पर्यावरण-संरक्षण इनके धर्म का अनिवार्य अध्याय है।

अब्राहमिक परंपराओं में भी वृक्ष आध्यात्मिक केंद्र हैं। इस्लाम में खजूर और जैतून को बरकत का प्रतीक माना गया, जबकि ईसाई धर्म में 'ट्री ऑफ लाइफ़' और जैतून की डाल शांति व दिव्यता का दर्शन कराती है। सिख धर्म में गुरु नानक देव जी प्रकृति को ईश्वर की रचना मानते हुए ÷पवन गुरु, पानी पिता, माता धरति÷ कहकर वृक्षों सहित समस्त प्रकृति को आध्यात्मिक सम्मान प्रदान करते हैं।

÷**अश्वत्थः सर्ववृक्षाणाम्**—वृक्षों में मैं पीपल हूँ।÷पीपल को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का संयुक्त स्वरूप माना जाता है। इसकी पत्तियों की निरंतर हलचल इसे जीवंतता और प्राण-ऊर्जा का प्रतीक बनाती है। आयुर्वेद में यह श्वास, पाचन और त्वचा रोगों में लाभकारी बताया गया है, जबकि ध्यान-साधना हेतु इसकी शीतल छाया मन को स्थिरता प्रदान करती है।

बरगद-स्थिरता, दीर्घायु और जीवन-संरक्षण का आधार

बरगद को पुराणों में 'अक्षयवट' की उपाधि प्राप्त है, क्योंकि इसका जीवन हजारों वर्षों तक विस्तार पा सकता है। इसकी जटाएँ धरातल से जोड़ने वाली जीवन-ऊर्जा का संकेत हैं। दांपत्य सुख, संतान-प्राप्ति और पारिवारिक स्थिरता की मंगलकामना हेतु बरगद की पूजा भारतीय समाज का प्राचीन व्यवहारिक ज्ञान है। ग्राम्य जीवन में यह पंचायत, संवाद और सामूहिक निर्णयों का साक्षी रहा है।

नीम - आरोग्य और रक्षण का दिव्य वृक्षः अथर्ववेद में नीम को 'अरिष्ट'–अर्थात् रोगों का नाश करने वाला–कहा गया है। इसकी पत्तियाँ, छाल, और फल शरीर को शुद्ध और रोगाणुरहित बनाते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से भी नीम को नकारात्मक ऊर्जा से रक्षा करने वाला वृक्ष माना जाता है। भारतीय घरों में नीम लगाने की परंपरा इसी संपूर्ण संरक्षण-भावना पर आधारित है।

कदंब-प्रेम, आनंद और माधुर्य का प्रतीकः भागवत पुराण और कृष्ण-लीला में कदंब वृक्ष प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है। माना जाता है कि कदंब की डालियों पर बैठकर कृष्ण ने बांसुरी बजाई और ब्रज में भक्ति का रस उमड़ पड़ा। कदंब का पुष्प सुंदरता, ऋतु परिवर्तन और मन की कोमलता का दूत है। योगिक दृष्टि से यह हृदय चक्र की ऊर्जा को संतुलित करने वाला माना गया है।

बेल-शिव-तत्व और त्रिगुणों का प्रतीकः बेलपत्र शिव उपासना में अनिवार्य माने जाते हैं। इसकी त्रिपत्री संरचना शिव के त्रिनेत्र, त्रिगुण और उनकी अद्वैत चेतना का रूप मानी जाती है। बेल का फल आयुर्वेद में पाचन-बल बढ़ाने के लिए प्रसिद्ध है, वहीं धार्मिक परंपरा में यह शांति, धैर्य और संयम का प्रतीक है।

आम-शुभता, समृद्धि और जीवन-ऊर्जाः वेदों में आम को 'अमृतफल' कहा गया है। आम्रपत्रों से बने तोरण किसी भी शुभ कार्य का प्रथम संकेत होते हैं। जन्म, विवाह और पूजा-अनुष्ठानों में आम्रफल और पत्तियाँ सौभाग्य, समृद्धि और रक्षण ऊर्जा के रूप में प्रयुक्त होती हैं।

बिल्ववृक्ष - शिव का प्रतीकः लोकमान्यता के अनुसार बिल्ववृक्ष शिव का प्रतीक माना जाता है और उसकी छाया को अत्यंत पवित्र बताया गया है। इसी कारण अंतिम यात्रा को जब बिल्ववृक्ष के नीचे से ले जाया जाता है, तो इसे मृतात्मा के लिए शिवकृपा प्राप्त करने का मार्ग माना जाता है। विश्वास है कि बिल्वपत्र और बिल्ववृक्ष की पवित्रता आत्मा के सांसारिक बंधन हल्के कर देती है और उसे मोक्ष की दिशा में आगे बढ़ने में सहायक होती है।

अन्य दिव्य वृक्षों मे अश्वत्थ, पलाश, तुलसी, पारिजात, शमी जैसे वृक्ष भी अपने विशिष्ट आध्यात्मिक और औषधीय गुणों के कारण पूजनीय रहे हैं। ये सभी वृक्ष भारतीय संस्कृति में प्रकृति को संवेदनशील, चेतन और सह-अस्तित्व पर आधारित दर्शन के रूप में स्थापित करते हैं।

वृक्षों का आध्यात्मिक महत्व यही बताता है कि मानव सभ्यता चाहे जितनी आगे बढ़े, उसका मूल आधार प्रकृति ही है। हर धर्म और हर युग ने यह स्वीकार किया है कि वृक्ष केवल ऑक्सिजन नहीं देते वे जीवन, संस्कृति, चेतना, ज्ञान, आस्था और भविष्य देते हैं। इसीलिए वृक्ष किसी एक धर्म के नहीं, समस्त मानवता के आध्यात्मिक गुरू हैं।21वीं सदी में वृक्षों का आध्यात्मिक अर्थ और विस्तृत हुआ है। आधुनिक मनुष्य तनाव, प्रदूषण और कृत्रिम जीवन-शैली से जूझते हुए फिर से प्रकृति की ओर लौट रहा है। वृक्ष आज केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक शांति, स्वास्थ्य, ध्यान और पर्यावरणीय अस्तित्व के आधार बन चुके हैं। वृक्ष लगाना अब पुण्य, पर्यावरण बचाना सामाजिक धर्म और प्रकृति संरक्षण वैश्विक कर्तव्य बन गया है। आज जरूरत है कि इस सार्वभौमिक आस्था को जीवन की नीति बनाया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी उसी हरियाली में साँस ले सकें, जिसमें पिछले युगों ने अपनी सभ्यताएँ बोई थीं। कलियुग ? सतयुग ? त्रेतायुग ? द्वापरयुग ? कलियुग ? और फिर पुनः सतयुग हर युग मे वृक्ष होमो सेपियन्स या कहे बुद्धिमान मानव के क्रियाकलाप के स्थायी, सर्वमान्य और सार्वभौमिक साक्षी रहेगे।

कुमाऊं हिमालय में दिखा हिम तेंदुआ

कुमाऊं हिमालय में शोधकर्ताओं को हिम तेंदुए की एक अत्यंत दुर्लभ तस्वीर कैमरे में कैद हुई है, जिसने वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व में हिम तेंदुए की जनसंख्या और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर केंद्रित एक परियोजना के तहत यह अहम रिकॉर्ड दर्ज किया गया है, जो इस क्षेत्र में इस शीर्ष मांसाहारी प्रजाति के महत्व को रेखांकित करता है।

कुमाऊं हिमालय में हिम तेंदुआ जनसंख्या एवं एल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर केंद्रित एक महत्त्वपूर्ण परियोजना के दौरान शोधकर्ताओं ने वन्यजीव जगत के लिए अत्यंत दुर्लभ और आश्चर्यजनक रिकॉर्ड दर्ज किया है। उत्तराखंड सरकार के वन विभाग के द्वारा राष्ट्रीय हरित भारत मिशन द्वारा वित्तपोषित यह परियोजना, नंदा देवी बायोस्फियर रिजर्व के विशाल और कम अध्ययन किए गए पर्वतीय परिदृश्य में टॉप मांसाहारी प्रजातियों की जनसंख्या गतिकी और उनके पारिस्थितिक संबंधों को जानकारी देने के उद्देश्य से संचालिक किया गया है। यह परियोजना आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैपिंग, चिन्ह-सर्वेक्षण और आवास-उपयोग मॉडलिंग का उपयोग करके हिम तेंदुए, उसके शिकार प्रजातियों और अन्य मांसाहारियों की उपस्थिति तथा उनकी गतिविधियों के पैटर्न को समझने का प्रयास कर रही है। शोध दल यह भी जांच कर रहा है कि पशुधन चराई, गैर-काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण और जलवायु परिवर्तन से वनस्पतियों में हो रहे बदलाव खाद्य-जाल और एल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता को किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं। इतना ही नहीं, व्यापक अध्ययन के दौरान सुंदरधुंगा घाटी में लगभग 3,010 मीटर की ऊंचाई पर बंगाल टाइगर का दुर्लभ और वैज्ञानिक रुप निगरानी में है।

पुलिस की जनता के प्रति धारणा बदलने पर जोर देते मोदी

अरुण पटेल

छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने पर विशेष बल देते हुए नजर आये। लगता है पुलिस के प्रति युवाओं सहित समाज के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों में जो छवि उभर कर आ रही है उसको पारखी निगाहों से देखने में प्रधानमंत्री मोदी ने कोई चूक नहीं की बल्कि पुलिस को सचेत कर उन्होंने एक प्रकार से आगाह करने का काम किया है। आम आदमी के प्रति पुलिस का जो व्यवहार है वह सम्मानजनक नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री की नसीहत पर यदि पुलिस ध्यान देगी तो इससे उनकी छवि में निखार अवश्य ही आयेगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने के लिए दक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिये। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने और औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लागू किए गए नये भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन-जारुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चूंकि नये कानून में बदलाव हुए हैं इसलिए प्रधानमंत्री का जोर देना जरुरी था ताकि लोगों को बदलाव की जानकारी हो सके और आम पुलिसजन संवेदनशील बन सके।

रायपुर में आयोजित यह सम्मेलन इस मामले में काफी अर्थवान माना जायेगा कि इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर न केवल गहन विचार-विमर्श हुआ अपितु विजन 2047 की दिशा में पुलिस व्यवस्था के दीर्घकालीन रोडमैप, आतंकवाद निरोध और कट्टर निरोध में उभरते रुझान, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने में तकनीकी का लाभ उठाने और विदेशों में रह रहे भारतीय भगोड़ों को वापस लाने की रणनीति तथा प्रभावी जांच व अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए फारेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने पर व्यापक रुप से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को और निरजन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियां अपनाने, राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड यानी नेट ग्रिड के अन्तर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्यवाही योग्य खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रणालियों को आर्टिफिशियल माध्यम से जोड़ने पर भी बल दिया।

हंगामा खेज रहा विधानसभा सत्र

शीतकालीन सत्र में बैठकें कम व्यवधान ज्यादा रहा। मध्यप्रदेश विधानसभा के एक दिसम्बर से प्रारंभ हुए शीतकालीन सत्र की 4 बैठकों में लगभग पांच दर्जन बार हंगामें के दृश्य उपस्थित हुए और पक्ष विपक्ष के सदस्य एक-दूसरे पर गरजते बरसते नजर आये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रतिपक्ष कांग्रेस को नसीहत देते हुए यहां तक कहते नजर आये कि सुनने की आदत डालनी होगी क्रोधित होने से कुछ नहीं होगा। किसानों की फसलों को हुई क्षति के मामले में गुरुवार 4 दिसम्बर को प्रश्नकाल के दौरान ही अच्छा-खासा हंगामा उस समय खड़ा हो गया जब किसानों को क्षति का मुआवजा नहीं मिलने को लेकर कांग्रेस के विधायक सरकार को घेरने का प्रयास करते नजर आये और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह भाजपा की सरकार किसान हितैषी है जो जनहानि पर 50 हजार की जगह 4 लाख रुपये, प्रति हेक्टर क्षति पर 3 हजार के स्थान पर 16 हजार रुपये दे रही है। जब कांग्रेस के सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वे विरोध करते रहे तो डॉ. यादव ने नसीहत देने के अंदाज में कहा कि सुनने की आदत डालनी होगी, रोने-धोने से कुछ नहीं होगा। कांग्रेसी सदस्यों ने कुछ देर बाद सदन से बर्हिगमन कर दिया। प्रश्नकाल में कांग्रेस के विधायक बाबू जंडेल ने मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद किसानों को 16 हजार रु. की राशि अभी तक नहीं मिलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने स्वीकार किया है कि 428 गांवों के 98 हजार 611 किसानों की 99 हजार 529 हेक्टर भूमि प्रभावित हुई है लेकिन मुआवजा अब तक नहीं मिला और बिजली बिल भी माफ नहीं हुए हैं। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने अपने उत्तर में कहा कि राशि का वितरण हो रहा है। उनके इस कथन को चुनौती देते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आपत्ति की और कहा कि यह असत्य कथन है। पांच हजार करोड़ का नुकसान हुआ है और 200 करोड़ दिये जा रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री यादव का कहना था कि कांग्रेस सरकार में 3 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाता था हमने 16 हजार दिया। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच नोंकझोक भी हुई और अंततः कांग्रेस विधायकों ने सदन से बर्हिगमन कर दिया।

और यह भी

विधानसभा सत्र के दौरान अक्सर सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच आपस में व्यवधान की स्थिति बन जाती है, सब अपनी-अपनी बात कहना चाहते हैं और विपक्ष को माकूल जवाब देने में सत्तापक्ष भी पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन व्यवधान की जब भी स्थिति बनी अधिकांश मौकों पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की समझाइश के बाद ज्यादातर बार दोनों दलों के सदस्य मान गये और कार्रवाई आगे बढ़ी। लेकिन दो अवसर ऐसे भी आये जब विपक्षी सदस्यों ने सदन से बर्हिगमन किया। व्यवधान आता है तो अक्सर ऐसा हो ही जाता है कि जनता से जुड़े मुद्दे उसमें कुछ समय के लिए खो कर रह जाते हैं और व्यवधान 40 सेंकेंड से लेकर तीन मिनट तक अक्सर होता नजर आया। विपक्ष के सदस्य इस स्थिति के लिए सत्तापक्ष की मनमानी को मानते हैं ओर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का मानना है कि जनता के मुद्दों पर सरकार ठीक से जवाब नहीं दे पाई जबकि विपक्ष जवाब मांग रहा था। यदि सटीक जवाब मिलते तो व्यवधान जैसी कोई स्थिति नहीं बनती। जबकि सत्तापक्ष का तर्क था कि विपक्ष हवा-हवाई बातें कर रहा है और जवाब को सही न मानना इसकी पुरानी नीति है, विपक्ष जबरन विवाद खड़ा कर सुर्खियों में रहने का आदी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

करणी सेना ने फरार आरोपी को पकड़वाने वालों को दिया 11 हजार का इनाम

भोपाल, सांध्य प्रकाश। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा के निर्देश पर मध्य प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष आशु सिंह द्वारा 11,000 रुपये इनाम की राशि प्रदान की गई। पिछले दिनों गोहरगंज घटना के बाद करणी सेना ने घोषणा की थी कि आरोपी को पकड़वाने में सहयोग करने वालों को 11,000 रुपये और सम्मान दिया जाएगा। गांधीनगर निवासी रिजवान भाई, आसिफ, अख्तर सहित अन्य लोगों ने आरोपी को पहचानते ही पुलिस को सूचना दी और उसे पकड़वाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। करणी सेना ने अपना वादा निभाते हुए इनाम और सम्मान दिया। कार्यवाहक अध्यक्ष आशु सिंह ने कहा कि जल्द ही करणी सेना पीड़ित बिटिया से मिलकर अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी प्रदान करेगी।

उज्जैन-12से रोमांच का महाकुंभ शुरू हो रही है स्काई डाइविंग

उज्जैन, सांध्य प्रकाश। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा उज्जैन में एडवेंचर प्रेमियों के लिए रोमांच का महाकुंभ शुरू किया जा रहा है। स्काई डाइविंग फेस्टिवल का पाँचवाँ संस्करण 12 दिसंबर से दताना एयरस्ट्रिप, पर शुरू होने जा रहा है और यह अगले दो महीने 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान पर्यटक 10 हजार फीट की ऊँचाई से छलांग लगाकर एक नया और रोमांचकारी अनुभव ले सकेंगे। उज्जैन में चार सफल आयोजनों में लोगों के उत्साह को देखते हुए इस वर्ष पाँचवें संस्करण का आयोजन दो माह के लिए किया जा रहा है। विगत चार संस्करणों में 700 से अधिक पर्यटकों ने इस रोमांचक गतिविधि का आनंद लिया है। एडवेंचर के बारे में जरूरी जानकारी-शुल्क- स्काई डाइविंग का शुल्क तीस हजार रुपए (30,000) प्लस जीएसटी रहेगा।समय-यह गतिविधि हर रोज सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगी।सुरक्षा मानक-स्काई डाइविंग का संचालन डीजीसीए एवं यूएसपीए द्वारा प्रमाणित संस्था स्काई-हाई इंडिया कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित स्काई डाइवर और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि प्रतिभागियों को सुरक्षित और यादगार अनुभव मिल सके।

लाइसेंस बहाली में रिश्वतखोरी का खेल उजागर

जिला कृषि उप संचालक 40 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, लोकायुक्त की दबिश से हड़कंप

नर्मदापुरम,सांध्य प्रकाश/खाद-बीज दुकान का लाइसेंस बहाल कराने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले जिले के कृषि उप संचालक जे.आर. हेडाऊ को लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़कर बड़ा खुलासा किया है। लोकायुक्त की पाँच सदस्यीय टीम ने सोमवार शाम कार्यालय में दबिश देकर उप संचालक को 40 हजार रुपए की राशि लेते ही गिरफ्तार कर लिया। मामला एक लाख रुपए की कुल मांग का था, जिसमें 40 हजार राशि पहली किश्त के रूप में तय की गई थी।

शिकायत, रिकॉर्डिंग और फिर जाल–इस तरह रची गई कार्रवाई की पूरी योजना

पीड़ित दुकानदार और शिकायतकर्ता राजनारायण गुप्ता, जो कृषि विभाग से रिटायर्ड कृषि विस्तार अधिकारी भी हैं, अपने भाई की खाद्ङ्कबीज दुकान का संचालन देखते हैं। कुछ दिन पहले दुकान का एक वीडियो वायरल होने के बाद उप संचालक हेडाऊ ने जांच के नाम पर दुकान का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था।

गुप्ता जब लाइसेंस बहाली के लिए मिले तो हेडाऊ ने एक लाख रुपए और ब्लैकडॉग शराब की मांग रख दी। परेशान होकर गुप्ता ने लोकायुक्त भोपाल के एसपी दुर्गेश राठौर को शिकायत की। टीम ने ऑडियोङ्कवीडियो रिकॉर्डिंग कर सत्यापन किया और सोमवार शाम तय समय पर गुप्ता को रुपए लेकर कार्यालय भेजा। जैसे ही 40 हजार रुपए हेडाऊ के केबिन में टेबल पर रखे गए, लोकायुक्त डीएसपी बी.एम. द्विवेदी के नेतृत्व में टीम ने अंदर घुसकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

गिरफ्तारी के बाद कार्यालय में अफरा-तफरी

छापे की खबर फैलते ही पूरा कार्यालय हड़कंप में बदल गया। कर्मचारी जल्दबाज़ी में फाइलें हटाने लगे और कई अधिकारी उप संचालक के केबिन के आसपास जुट गए। लोकायुक्त टीम ने पूरी राशि, घटनास्थल और बातचीत को मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर साक्ष्य संकलित किए।

उप संचालक का दावा–'मैंने पैसे नहीं लिए'

गिरफ्तारी के दौरान हेडाऊ ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने रुपए नहीं लिए, बल्कि शिकायतकर्ता ने टेबल पर रख दिए। लेकिन लोकायुक्त के पास लेनङ्कदेन और रिश्वत मांगने के पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

लोकायुक्त ने उप संचालक जे.आर. हेडाऊ के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को अदालत में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गिरफ्तारी और साक्ष्यों के आधार पर उसका निलंबन और स्थानांतरण लगभग तय माना जा रहा है।

नपा अध्यक्ष ने संगठन को भवन देने का किया वादा

परिषद की वेबसाइट का शुभारंभ

सीहोर, सांध्यप्रकाश। दिव्यांग कल्याण एवं विकास परिषद द्वारा पीजी कॉलेज में मेंहदी व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में ÷दिव्यांगों की आवाज़÷ वेबसाइट का शुभारंभ हुआ।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, महेश यादव और डॉ. हरिओम गुप्ता ने सहभागिता की। बड़ी संख्या में आष्टा, श्यामपुर, दोराहा, बुधनी व भोपाल क्षेत्र से दिव्यांगजन पहुँचे।

नपा अध्यक्ष राठौर ने कहा कि परिषद अच्छा कार्य कर रही है और नगर पालिका द्वारा विकसित हो रहे मार्केट में दिव्यांगजन भी ऑनलाइन आवेदन कर दुकान ले सकते हैं। संगठन की जिला प्रबंधक उमा चौरसिया द्वारा कार्यालय भवन की मांग पर उन्होंने कहा कि आवेदन दीजिए, सभी मांगें पूरी होंगी। कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्रवण वास्तवार, कमलेश राठौर, नरेश मेवाड़ा व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों के समन्वय से छोटी बसाहटों में पेयजल आपूर्ति कार्य को प्राथमिकता से करें पूर्ण: उप मुख्यमंत्री

रीवा जिले में जल जीवन मिशन एवं हिनौती गौधाम विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल, सांध्य प्रकाश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जारी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों के समन्वय से छोटी बसाहटों में भी पेयजल आपूर्ति से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि इन बसाहटों तक शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिनका प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हर घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुँचाने के लक्ष्य को साकार करने में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के बीच प्रभावी समन्वय महत्वपूर्ण है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिनौती गौधाम के विकास कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने शेड निर्माण के प्रस्ताव को क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनरीक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गौवंश विहार को नैचुरल फॉर्मिंग (प्राकृतिक खेती) के मॉडल पर उन्नयन किया जाना है, इसके लिए हर संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाये। बैठक में अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी; प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री पी. नरहरि; एमडी मध्यप्रदेश जल निगम श्री वी. एस. चौधरी, संचालक पंचायत श्री छोटे सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

9 दिसंबर - अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार-विरोधी दिवस

भ्रष्टाचार-मुक्त भारत - आत्मशक्ति, योग और नैतिक जागरण का पवित्र अभियान

महेश अग्रवाल

भ्रष्टाचार तब जन्म लेता है जब मनुष्य अपने भीतर के प्रकाश को भूलकर अंधकार से समझौता कर लेता है। योग उस प्रकाश को पुनः जगाता है, जो व्यक्ति को सत्य, करुणा और नैतिकता के मार्ग पर चलने की शक्ति देता है - योग गुरु महेश अग्रवाल

भ्रष्टाचार - बाहरी समस्या नहीं, भीतर का विकार भ्रष्टाचार केवल नोटों का लेन-देन नहीं है, यह मन की दुर्बलता, चरित्र की दरार और चेतना की गहराई में बैठी एक जड़ता है। जब तक मनुष्य भीतर से असंतुलित है, लालसा उसके विवेक पर भारी है, अहंकार उसके निर्णयों को नियंत्रित करता है - तब तक बाहरी कानून, दंड और संस्थाएँ केवल सीमित प्रभाव ही डाल सकती हैं। इसीलिए भ्रष्टाचार का समाधान भी केवल प्रशासकीय नहीं, आध्यात्मिक है, नैतिक है, मानवीय चेतना के उत्थान से जुड़ा है।

9 दिसंबर अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि यदि मनुष्य की चेतना जागृत हो जाए, तो न केवल शासन सुधरेगा, बल्कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति सत्य, पवित्रता और ईमानदारी का पथ अपनाने लगेगा। भ्रष्टाचार कभी कानून से नहीं मिटता, वह मन के परिवर्तन से मिटता है। और मन का परिवर्तन सबसे प्रभावी रूप से होता है - योग, ध्यान, स्व-अनुशासन, सत्यनिष्ठा और आध्यात्मिक साधना से।

भ्रष्टाचार - कैसे जन्म लेता है? भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा स्रोत कोई बाहरी व्यवस्था नहीं, बल्कि मन का पतन है। यह मन की तीन प्रमुख कमजोरियों से पैदा होता है। लोभ - अनंत चाह का जाल - जब अपनी आवश्यकता और अपनी इच्छा का अंतर मिट जाता है, तब इंसान अपने भीतर एक अंतहीन इच्छा सूची बनाता है। लोभ कभी संतुष्ट नहीं होता, वह जितना मिलता है, उससे अधिक की लालसा जगा देता है। इसी लोभ का परिणाम होता है - धन की गलत कमाई, पद का अनुचित उपयोग, प्रभाव का दुरुपयोग। भय - असुरक्षा की मानसिकता - यदि मेरे पास पर्याप्त धन न हुआ तो भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा? यह भय अक्सर लोगों को गलत दिशा की ओर धकेल देता है।अहंकार - स्वयं को नियमों से ऊपर मानना - अहंकारी मन मानता है कि मुझे कोई नहीं पकड़ सकताज मेरे लिए नियम नहीं बनेज यही मानसिकता समाज में अन्याय और भ्रष्टाचार को गहराती है।

योग का संदेश - व्यक्ति सुधरा तो समाज सुधरेगा योग व्यक्ति की चेतना को बदलने की शक्ति रखता है। योग कहता है - मन ही सबका कारण है। मन शुद्ध है तो कार्य भी शुद्ध, मन अशुद्ध है तो कर्म भी अशुद्ध। योग का अर्थ केवल आसन नहीं - योग वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को - सजग बनाती है, विवेकशील बनाती है, चरित्रवान बनाती है, कर्तव्यनिष्ठ बनाती है। जब योग के द्वारा मन पवित्र होता है, तब भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति स्वयं नष्ट हो जाती है।

आध्यात्मिक दर्शन - भ्रष्टाचार का मूल कारण अविद्या भगवद्गीता में कहा गया है - अविद्या - अज्ञान ही सभी क्लेशों का मूल कारण है। अविद्या वह स्थिति है जब मनुष्य - सही-गलत नहीं पहचानता, परिणामों को नहीं समझता, अपने कर्मों की जिम्मेदारी भूल जाता है। जब मनुष्य चेतना के निम्न स्तर पर होता है, तब वह केवल अपनी सुविधा और स्वार्थ को देखता है। पर जब चेतना ऊँचे स्तर पर उठती है- ध्यान, साधना, योग, सत्संग और नैतिक अनुशासन से - तब मनुष्य स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज, राष्ट्र और मानवता का हित देखने लगता है।

भ्रष्टाचार - केवल आर्थिक अपराध नहीं, एक आध्यात्मिक रोग भ्रष्टाचार शरीर का रोग नहीं, चेतना का रोग है। जिस प्रकार शरीर का रोग केवल बाहर की दवा से नहीं ठीक होता, वैसे ही भ्रष्टाचार भी केवल कानून से समाप्त नहीं होता। भ्रष्टाचार का अंत होगा जब - भीतर ईमानदारी का दीपक जले, कर्तव्य धर्म जागे, आत्मा का स्वर सुनाई दे। ब्राह्मणों, ऋषियों, संतों और योगियों की परंपरा कहती है कि - चरित्र ही राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति है। जब नागरिकों का चरित्र पतित होता है, तब राष्ट्र का पतन निश्चित है। और जब नागरिकों की आत्मा जागृत होती है, तब राष्ट्र महान बनता है।

शिक्षा - सिर्फ ज्ञान नहीं, चरित्र का निर्माण आज शिक्षा केवल डिग्री, करियर और नौकरी का साधन बनकर रह गई है। परंतु गुरुकुल परंपरा में शिक्षा का अर्थ था - संयम, संतोष, सत्य, सेवा, कर्तव्य, राष्ट्रप्रेम, निस्वार्थ भाव, दानशीलता, समर्पण आध्यात्मिकता। जब शिक्षा चरित्रवान मनुष्य बनाएगी, तब भ्रष्टाचार का प्रश्न ही नहीं बचेगा।

आध्यात्मिक मान्यताएँ - सत्य और धर्म की अपरिहार्यता सभी धर्म - हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, ईसाई, इस्लाम - सभी में सत्य को सर्वोच्च माना गया है। हिंदू धर्म - सत्यं वद, धर्म चर। जैन धर्म - अहिंसा और सत्य को जीवन का सर्वोच्च व्रत मानता है। बौद्ध धर्म - सम्यक आजीविका पर जोर देता है। सिख धर्म - किरत करो, नाम जपो, वंड छिको। इस्लाम - ईमानदारी को 'इमान' का हिस्सा मानता है। ईसाई धर्म - धोखाधड़ी को पाप और सत्य को ईश्वर का स्वरूप बताता है। इस प्रकार किसी भी सभ्यता या धर्म में भ्रष्टाचार की अनुमति नहीं है। भ्रष्टाचार धर्मविहीनता का लक्षण है।

भ्रष्टाचार और संस्कार - बाल्यावस्था से ही लगाई जाती है नींव घर में यदि - झूठ बोला जाता है, छोटी गलतियों को माफ़ करते-करते बड़ा अपराध साधारण दिखने लगता है, ईमानदार व्यक्ति को मूर्ख समझा जाता है, गलत मार्ग को चालाकी कहा जाता है, तो बच्चा भी यही सीखता है। लेकिन यदि - माता- पिता सत्य की कीमत बताते हैं, छोटा बच्चा ईमानदारी करने पर प्रशंसा पाता है, स्कूल में नैतिक शिक्षा और संस्कारों की चर्चा होती है, समाज में ईमानदार व्यक्ति को सम्मान मिलता है, तो भ्रष्टाचार की बीमारी बच्चों के मन में कभी जन्म ही नहीं लेती।

योग साधना - भ्रष्टाचार से मुक्ति की वैज्ञानिक पद्धति योग मनुष्य को चार स्तरों पर बदल देता है - शारीरिक स्तर - शरीर स्वस्थ होने पर अनावश्यक चाह कम होती है। स्वस्थ शरीर - स्वच्छ कर्मों का आधार है। मानसिक स्तर - योग मन को संतुलित करता है। एक संतुलित मन गलत कार्यों की ओर झुकता

ही नहीं। भावनात्मक स्तर - योग करुणा, सेवा, दया और परोपकार की भावना जगाता है। भावनात्मक शुद्धता भ्रष्टाचार की जड़ें काट देती है। आध्यात्मिक स्तर - ध्यान में जब मनुष्य अपने सच्चे स्वरूप को महसूस करता है, तब वह समझ जाता है - मैं सत्य हूँ, मैं प्रकाश हूँ, मैं धर्म हूँ। और तब वह किसी भी प्रकार के अंधकार को स्वीकार नहीं करता।

भ्रष्टाचार-मुक्त समाज - व्यक्ति से आरंभ होने वाली महान क्रांति एक व्यक्ति की ईमानदारी - एक परिवार को बदल देती है। परिवार का परिवर्तन - पूरे समाज को बदल सकता है। और समाज का परिवर्तन - पूरे राष्ट्र को प्रकाशित कर सकता है। भ्रष्टाचार-मुक्त भारत का निर्माण होगा - जब व्यक्ति सुधरेगा, जब परिवार नैतिक बनेगा, जब विद्यालय चरित्र शिक्षा देगा, जब प्रशासन पारदर्शी होगा, जब साधक सत्य की मशाल उठाएंगे।

भ्रष्टाचार-मुक्त समाज - संस्कार, अध्यात्म और आत्म-जागरण की ओर महायात्रा क्या हम सचमुच कृपा-सिन्धु प्रभु के योग्य जीवन जी रहे हैं?विचार कीजिए - क्या हमने उस परम दयालु, अनंत कृपा-सिन्धु को वास्तव में स्वीकार किया है? क्या हम हर प्रकार से उसके सामने नतमस्तक हैं? क्या हमने उसके दिए धन, समय, शक्ति और अवसरों का उपयोग उसके बनाए दरिद्र नारायणों - अर्थात् गरीब, पीड़ित, बुज़ुर्ग, असहाय और ज़रूरतमंदों की सेवा में किया? क्या हम अपने बगल वाले पड़ोसी के दुख-दर्द में खड़े हुए? क्या हम अपने माता-पिता के पास दो मिनट बैठकर उनसे पूछा कि उनकी क्या इच्छा है? क्या हमने अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देना अपनी ड्यूटी समझा? यदि नहीं - तो यह हमारा आत्म-चिंतन का समय है। प्रभु ने हमें मानव जन्म इसलिए नहीं दिया कि हम केवल भोग-विलास में उलझे रहें, बल्कि इसलिए दिया कि हम दया, धर्म, परोपकार, भक्ति, सत्य, सेवाभाव और संस्कारों से अपने जीवन को महान बनाएँ। यदि हम धर्म और सत्कर्म में स्थित हैं, तभी मानव कहलाने योग्य हैं। अन्यथा - हमारे और एक सामान्य पशु के बीच अंतर ही क्या है?

अध्यात्म से दूर होना ही भ्रष्टाचार की जड़ है अध्यात्म से जुड़ना मनुष्य का वास्तविक उत्थान है। जो व्यक्ति अध्यात्म से दूर होता जाता है, उसके भीतर - संस्कार घटने लगते हैं, लालसाएँ बढ़ने लगती हैं, भोग- विलास के प्रति आकर्षण बढ़ता है, अपने को सुपर दिखाने की होड़ शुरू हो जाती है, और धीरे-धीरे इच्छाओं का अनियंत्रित विस्तार भ्रष्टाचार की ओर धकेल देता है। जब मनुष्य अपनी आवश्यकताओं से अधिक अपनी इच्छाओं को बड़ा बना लेता है, तब वह चाहता है कि किसी भी तरह अधिक से अधिक पैसा आए - चाहे वह जायज़ हो या नाजायज़। यहीं से भ्रष्टाचार जन्म लेता है। और धीरे-धीरे यह व्यक्ति की जरूरत नहीं, बल्कि उसकी रोजमर्रा की आदत बन जाता है।

संस्कारहीनता की कुछ पहचानें - उधार लेते समय वादा करना, पर लौटाते समय भूल जाना, गलत पैसे को चालाकी समझना, बच्चों को यह सिखाना कि दुनिया ऐसे ही चलती है, फैशन और लाइफ-स्टाइल को इज्ज़त का पैमाना बनाना, ईमानदारी को मूर्खता समझना। जब पैसा गलत मार्ग से आता है, तो उसी के अनुरूप - अन्न, आचरण, बुद्धि, विवेक, वाणी - सब कुछ प्रभावित होता है। फिर मनुष्य अख़बार में बड़े-बड़े घोटाले देखकर खुद को सही मानने लगता है - हम तो कुछ भी नहीं कर रहे, बाकी लोग तो इससे भी बड़े गलत काम कर रहे हैं। परंतु यह आत्म-प्रवंचना है।

गलत धन से पूरी मानवता का नुकसान होता है भ्रष्टाचार केवल स्वयं को नहीं, बल्कि - परिवार, समाज, विद्यालय, संस्था और देश सबको खोखला कर देता है। यदि हम सोचें - आज गलत पैसे से अपनी कोई इच्छा पूरी कर भी ली, पर कल वह पैसा नहीं मिला तो? तब हम उसी गलत मार्ग पर और भी आगे बढ़ेंगे। इसी प्रकार व्यक्ति धीरे-धीरे चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और दुष्कर्म के दलदल में फँस जाता है।

समाधान - अपनी कमाई को देखें, खर्चों को सरल बनाएँ सबसे पहले यह देखें - मेरी सही कमाई क्या है? मेरी इच्छाएँ क्या हैं? यदि कमाई पर्याप्त नहीं है, तो इच्छाओं को कम करें। यही सच्चा धर्म है। प्रार्थना करें - प्रभु! मेरी मनःस्थिति स्थिर एवं संयमित रहे। मुझे अधिक भोग-विलास की इच्छा न हो। मैं मृदुभाषी बनूँ, संतोषी बनूँ और तेरी कृपा का सदैव स्मरण करूँ। कभी यह न सोचें कि मुझे दुनिया को दिखाना है। दिखाना है तो केवल परमात्मा को - क्योंकि अंततः जाना उसी के पास है।

संस्कारी बनें - यहीं से भ्रष्टाचार- मुक्त राष्ट्र का जन्म होता है संस्कारी व्यक्ति - परिवार में प्रेम बनाता है, समाज में शांति फैलाता है, राष्ट्र में शक्ति का संचार करता है। अपने घर में - अच्छे धार्मिक साहित्य अवश्य लाएँ, बच्चों को देश, पूर्वजों, स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियाँ बताएं, सात्विक भोजन करें, प्रतिदिन प्रभु का स्मरण करें, और रोज एक परोपकारी कार्य अवश्य करें। मृदुभाषी बनें, अहंकार दूर रखें, क्रोध को अपने निकट न आने दें। क्रोध बुद्धि को हर लेता है। जहाँ क्रोध आया, वहाँ धर्म चला गया।

अध्यात्म से दूर होकर संस्कार कभी पैदा नहीं हो सकते मनुष्य तीन तरीकों से संस्कार सीख सकता है - सज्जनों के संग से, अच्छे साहित्य और प्रवचनों से, अपनी आत्मशक्ति और आत्मअनुशासन से। और भ्रष्टाचार भी इन तीनों के उलट पैदा होता है - दुर्जनों का संग, अशुद्ध साहित्य और विचार, अनियमित और लालसा-प्रधान मन। इसलिए अध्यात्म से जुड़ना अनिवार्य है। अध्यात्म मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाता है।

आपके सुकर्म ही आपको महान बनाते हैं आज जो व्यक्ति समाज सेवा, राष्ट्र सेवा, या कोई भी परोपकार कर रहा है, वह अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संस्कारों के बल पर कर रहा है। उसी के तेज से समाज में अभी भी अच्छाई जीवित है। वरना यदि संसार में केवल बुरे लोग ही होते, तो यह दुनिया बहुत पहले ही खत्म हो जाती। आपके सुकर्म ही - आपकी रक्षा करते हैं, आपके परिवार को सुरक्षित रखते हैं, आपके भाग्य को बनाते हैं, और आपके अगले जन्म का आधार तैयार करते हैं।

पहले स्वयं सुधरें - दुनिया स्वयं सुधरती जाएगी किसी और को सुधारना असंभव है। लेकिन अपने को सुधारना हमेशा संभव है। प्रभु हमसे यही चाहता है- पहले स्वयं बदलो - फिर दुनिया बदल जाएगी। अपने खर्चों को संयमित करें। प्रत्येक परिस्थिति में संतोष रखें। प्रत्येक स्थिति में कर्तव्य निभाएँ। दिन में एक बार अवश्य सोचें - मैं समाज में क्या योगदान दे रहा हूँ? मेरे कारण कितने लोग लाभान्वित होते हैं? क्या मैं राष्ट्र के लिए उपयोगी हूँ? यही आत्म- जागरण है।

मानव शरीर - करोड़ों योनियों के बाद प्राप्त अमूल्य वरदान मनुष्य जन्म अनंत संस्कारों, पुण्यों और ईश्वर की कृपा से मिलता है। प्रभु ने आपको - अपंग नहीं बनाया, मंद बुद्धि नहीं बनाया, मनुष्य के रूप में जन्म दिया, उच्च विचार दिए, सेवा करने की क्षमता दी। क्या यह पर्याप्त नहीं कि हम उस ईश्वर का आभार मानें और स्वयं को ऊँचा उठाएँ? यदि हमने इस अमूल्य मानव जन्म को - भ्रष्टाचार, लालसा, दुष्टता, क्रोध, हिंसा और अनैतिकता में खो दिया, तो जीवन का उद्देश्य ही नष्ट हो जाएगा।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध सबसे बड़ा आन्दोलन अपने भीतर का जागरण है भ्रष्टाचार का अंत कानून नहीं करेगा। प्रशासन नहीं करेगा। न कोई संस्था कर पाएगी। कर सकता है तो केवल - आपका अपना विवेक, आपका अपना संस्कार, आपकी अपनी आत्मा। जब मनुष्य वास्तव में अध्यात्म से जुड़ेगा, तो वह - गलत पैसा नहीं लेगा, किसी का हक नहीं मारेगा, किसी को दुख नहीं देगा, अपने कर्तव्य को धर्म समझेगा, और राष्ट्र के लिए प्रकाश बनेगा। यही एक सच्चा भ्रष्टाचार-मुक्त भारत बनेगा।

सुधार समाज में नहीं, अपने भीतर शुरू करें। जब मनुष्य के विचार पूजा बन जाएँ, उसका व्यवहार सेवा बन जाए, और जीवन साधना बन जाए, तब भ्रष्टाचार स्वयं समाप्त हो जाता है। अध्यात्म ही राष्ट्र-निर्माण का सर्वोच्च मार्ग है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव पर भोपाल में प्रदर्शन, हिंदू संगठन बोले- बाबर के नाम पर मस्जिद बर्दाश्त नहीं, पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

भोपाल, सांध्यप्रकाश। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने का हिंदू संगठन विरोध कर रहे हैं। भोपाल में श्री हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच 2 नंबर स्टॉप पर प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि अगर मस्जिद बनानी है तो अब्दुल कलाम या अशफाकउल्ला के नाम से बनाएं, बाबर के नाम पर मस्जिद बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन के कार्यकर्ता बाबर के नाम वाला शौचालय का पोस्टर लेकर पहुंचे थे, जिसे सार्वजनिक शौचालय परिसर में लगाने की तैयारी थी। लेकिन पुलिस ने पोस्टर जप्त कर लिया। इस दौरान पुलिस और संगठन कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। मौके पर क्विक रिस्पांस फोर्स के 40 से ज्यादा जवान और 25-30 पुलिसकर्मी तैनात रहे।

मध्यप्रदेश के बीड़ी श्रमिकों को फिर से मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ा जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एमएसएमई एवं इंडस्ट्रीज विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का तेंदूपत्ता बड़ी मात्रा में पश्चिम बंगाल के व्यापारी खरीदकर ले जाते है। वहाँ बीड़ी उद्योग फल-फूल रहा है और स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। लेकिन हमारे ही राज्य के तेंदूपत्ता संग्राहक और बीड़ी बनाकर आजीविका चलाने वाले हजारों परिवार रोजगार से दूर हो गए हैं। यह उनकी आजीविका के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। प्रदेश के बीड़ी निर्माता को रोजगार की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए वन विभाग से समन्वय करके समुचित समाधान निकालें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट कहा है कि तेंदूपत्ता मध्यप्रदेश की संपत्ति है, इसलिए इससे मिलने वाला रोजगार भी यहीं के लोगों को मिलना चाहिए। सरकार का सबसे बड़ा उद्देश्य है

बीड़ी श्रमिकों को फिर से रोजगार की मुख्य धारा से जोड़ना है। इसी दिशा में सरकार तेजी से कदम उठा रही है बीड़ी बनाने वाले परिवारों को लगातार और बेहतर काम उपलब्ध कराया जाएगामहिलाओं के रोजगार और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी। मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि तेंदूपत्ता आधारित बीड़ी उद्योग से जुड़ा हर परिवार सम्मानजनक और स्थायी आय प्राप्त करे। राज्य की वन उपज का लाभ अब सीधे हमारे ही श्रमिकों को मिले। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह पहल उन सभी परिवारों के जीवन में फिर से उजाला लाने की दिशा में एक ठोस कदम होगा, जो वर्षों से तेंदूपत्ता और बीड़ी निर्माण से जुड़े रहकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देते आए हैं।

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की प्रमुख उपलब्धियाँ: निवेश आकर्षण में सफलता, त्द्धस् ऋद्धष्ट के माध्यम से 12.70 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव। पिछले दो वर्षों में 327 स्स्स्ब्ध और बृहद इकाइयों में उत्पादन प्रारम्भ, 40,516 रोजगार सृजित। उद्योगों को 4,977 करोड़ रुपये की सहायता और सुविधाएँ वितरित। क्क्क2024 में चार श्रेणियों में सम्मान, श्व्ड्डह्यद्ग श्द्ध ष्ठश्चद्बठ्ठद्द क्चह्वह्यद्बठ्ठद्गह्यह्य में शीर्ष प्रदर्शन। 108 अपराधमुक्त अनुपालनों से न्यायालय का भार कम, 2700 से अधिक अनुपालन सरल या कम किए गए

निवेश उपलब्धियाँ: 2.48 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को भूमि आवंटन, 2.85 लाख रोजगार संभावित। 229 इकाइयों में निर्माण प्रारम्भ, 81,206 रोजगार संभावित। साधिकार समिति द्वारा 105 प्रकरणों का त्वरित समाधान। 18,685 करोड़ रुपये के 43 प्रोजेक्ट्स को कस्टमाइज्ड पैकेज स्वीकृत, 21,835 रोजगार संभावित।

औद्योगिक अधोसंरचना विकास: 26 नए औद्योगिक पार्क और क्लस्टर (4000 हेक्टेयर) स्वीकृत। क्कस्द्बह्लह्ड्ड क्क्षह्म के लिए 873 हेक्टेयर स्वीकृत। स्श्वद्बड्डह्यड्ड क्क्षड्डड्डद्ब ऋद्ध क्क्षह्म-प्रथम चरण 884 एकड़ और द्वितीय चरण 750 एकड़। 33 औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नयन के लिए 536 करोड़ रुपये स्वीकृत। 4 वर्किंग वुमन हॉस्टल, 5772 बेड क्षमता स्वीकृत। निवेश प्रोत्साहन एवं राज्य छवि निर्माण। त्द्धस् 2025 का सफल आयोजन, प्रदेश का सबसे बड़ा निवेश शिखर सम्मेलन। 72 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश कार्यक्रम आयोजित। 8 क्षेत्रीय और 15 राष्ट्रीय संवाद सत्र आयोजित

नीति एवं द्धञ्ज आधारित सुधार: उद्योग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात की 3 नई नीतियाँ लागू (2025)। द्धठ्ठ1द्गह्यह्ल क्क्षह्लड्डह्य के माध्यम से द्धठ्ठ1द्गह्यह्लश्ह् स्द्धद्ग ष्४ह्यद्ग स्ह्वश्चश्चश्हह्ल। स्ड्डष्द्गह्यद्गह्यह्य ह्श त्द्धद्गह्४ द्धठ्ठष्द्गठ्ठह्लद्ब1द्ग प्रणाली लागू। त्द्धस् आधारित ऑनलाइन भूमि आवंटन और चठ्ठश्2 ड्डश्हद्ग श्चश्हश्1ड्डह्य सुविधा

संस्थागत उपलब्धियां: 5 नए क्षेत्रीय कार्यालय और कोयंबटूर (तमिलनाडु) में व्यापार विस्तार कार्यालय। हर जिला कलेक्टर कार्यालय में निवेश केंद्र स्थापित। महिलाओं के लिए नाइट शिफ्ट में कार्य की अनुमतिद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर खजुराहो में ओद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

गजवा-ए-हिंद' नहीं भगवा-ए-हिंद' चाहिए : धीरेंद्र शास्त्री

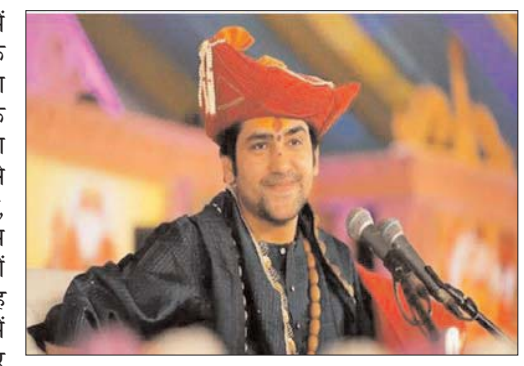

कोलकाता, एजेंसी। महानगर कोलकाता में 5 लाख श्रद्धालुओं के द्वारा सामूहिक गीता पाठ के आयोजन से जहां एक रिकॉर्ड बना। वहीं इस गीता पाठ में देश दुनियां में चर्चित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सनातन एकता इस देश और विश्व के लिए विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है। भारत में हम सनातनी चाहते हैं, तनातनी नहीं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, ÷आज पश्चिम बंगाल की पावन धरती कोलकाता में 5 लाख लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। आस्था का उत्साह और सैलाब देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो। हम पश्चिम बंगाल और कोलकाता की जनता, भारत की जनता के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।÷ धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस देश में 'गजवा-ए-हिंद' नहीं भगवा-ए-हिंद' चाहिए। जहां तक गीता की बात तो इस ग्रंथ ने पूरी दुनियां में सामाजिक समरसता और एकता का संदेश प्रेषित किया है। गीता की कोई तुलना ही नहीं यह जीवन काआधार भी है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, 'जब राज्य एक होता है, तो देश बनता है। इसलिए बंगाल के हिंदुओं को मेरा संदेश है कि जब आप एक होंगे, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा।' सनातन एकता ही इस देश एवं दुनिया के लिए शांति का सबसे बड़ा संदेश है। इस आयोजन के लिए वे पश्चिम बंगाल और कोलकाता के लोगों का और देश के लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र की वकालत की और उन्होंने बंगाल को एकजुट होने मैसेज दिया।

एलएनसीटी कॉलेज में प्रबंधकीय कौशल के सैद्धांतिक आधार विषय पर सेमिनार

भोपाल, सांध्यप्रकाश। लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नॉलॉजी भोपाल में टीवी 27 के सहयोग से प्रबंधन के छात्रों के लिए प्रबंधकीय कौशल के सैद्धांतिक आधार विषय पर अतिथि वक्ताओं ने अलग अलग विषयों पर व्याख्यान दिए टीवी 27 के उपाध्यक्ष उमेश गुप्ता ने पीपीटी द्वारा छात्रों से संवाद कर प्रबंधन कौशल के गुर बताए अधिवक्ता जी के छिब्बर ने 21 नवम्बर 25 से लागू चार श्रम संहिताओं की जानकारी दी टीवी 27 के मार्केटिंग प्रमुख राजन मेहता ने बाजार में ब्रांड के महत्व को पीपीटी द्वारा दर्शाया ओर कह स्वयं अपना श्रेष्ठ ब्रांड बनाए। स्वदेश ज्योति के प्रधान संपादक राजेन्द्र शर्मा ने आज के प्रतिस्पर्धा के युग में प्रबंधकीय कौशल पर ध्यान देने पर जोर दिया बाजार के उत्पाद बिक्री ओर प्रचार पर ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया सोशल मीडिया का उपयोग साकारात्मक रूप में करने को कहा । आर जी द्विवेदी ने सेमिनार पर वक्ताओं के अनुभव ओर उनके व्याख्यान पर विस्तार से बताते हुवे रामायण ओर गीता के प्रबंधकीय प्रसंग भी बताए जिसे छात्र छात्राओं ने सराहा अंत में संचालक प्रोफ़ेसर अरविंद सिंह ने सभी अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर सुनील भार्गव पूर्व अध्यक्ष भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन एवम शैलेंद्र ओझा एवं एक हजार से अधिक छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

रजिस्टर्ड डाक सेवा पुनः बहाल किये जाने की मांग

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश। सामाजिककार्यकर्ता भगवान दिन साहू के नेतृत्व में बहुत से सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने केंद्रीय संचार ,सूचना प्रसार एव प्रोधोगिकी मंत्री ज्योतिरादित्यसिंधिया के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर रजिस्डर्ड डाक सेवा पुन-बाहल किये जाने की मांग की ज्ञापन में बताया कि देश में लगभग 1.65 लाख डाकघर हैं जो भारत संचार विभाग के अंतर्गत कार्यरत है । जो दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है । सोशल मीडिया के युग में आज भी देश के लोग भारतीय डाक विभाग को प्रथमिकता देते हैं । 1 अक्टूबर 2025 को इस ने विभाग द्वारा रजिस्टर्ड डाक सेवा बन्द कर दी । जिसकी जगह स्पीड पोस्ट सेवा के माध्यम से ही पत्रों का आदान प्रदान हो रहा है । स्पीड पोस्ट सेवा ज्यादा महंगी है और जहाँ हवाई जहाज की सेवा हो वहाँ के लिए ठीक है । पूरे मध्यप्रदेश में 55 जिले है । जिसमें से केवल भोपाल ,जबलपुर , ग्वालियर , इंदौर में रेगुलर हवाई जहाज की सेवा है । लगभग 51 जिले इस सेवा से वंचित हैं । वैसे भी मेरे जिले में दिन भर जो जो पत्र रजिस्टर्ड होते हैं वे सब के सब पत्र जबलपुर भेजे जाते हैं ।फिर वहां से अन्य जगह वितरित होतें हैं । इन सब प्रक्रिया को लगभग 5- 6 दिन लगते ही हैं। जबकि स्पीड पोस्ट में 48 घण्टे में सेवा प्रदान करने का नियम है। ज्ञापन देते समय आधुनिक चिंतक हरसुल रघुवंशी, राष्ट्रीय बजरंग दल के नितेश साहू , कुनबी समाज के मार्गदर्शक सुभाष इंगले, कलार समाज के प्रमुख बबलू माहोरे,कुनबी के युवा नेता अंकित ठाकरे, साहू समाज के ओमी साहू,पवार समाज के गौरीशंकर धारे, अशोक कराडे,ओमप्रकाश डहेरिया, अश्विन पटेल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

बीएचईएल में आईओसीएल अधिकारियों के लिए 5 दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल, सांध्यप्रकाश। बीएचईएल में मेसर्स आईओसीएल के अधिकारियों के लिए एचटी मोटर, ट्रांसफार्मर और स्विचगियर-डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग,इरेक्शन, कमीशनिंग और रखरखाव पहलुओं पर 5 दिवसीय कस्टमर ट्रेनिंग का शुभारंभ टीयू सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं.), सुगत मित्तल, मुख?य प्रबंधक (एम एण्ड आई)-आईओसीएल, भिषेक खंडेलवाल, मुख?य प्रबंधक (एम एण्ड आई)-आईओसीएल ने किया । इस प्रशिक्षण में मेसर्स आईओसीएल के कुल 25 अधिकारी प्रतिभागिता कर रहे हैं । संकाय सदस्?य के रूप में बीएन जेना, वरिष्ठ प्रबंधक (एएमई), जितेंद्र कुमार,वरिष्?ठ प्रबंधक (एएमई) एवं तरुण कुमार कौशिक, प्रबंधक (एचआरडी) मौजूद थे । अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि मेसर्स आईओसीएल हमारा सम्मानित ग्राहक है । हम हमेशा दक्षता और उत्पाद की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित कर तुरंत सेवाएं प्रदान करते हैं । उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण एक व्यावहारिक अनुभव है । उन्होंने कार्यक्रम की सराहना की और उपकरणों की महत्वपूर्ण बातों को समझने पर जोर दिया और कहा कि प्रतिभागी इस मंच से जितना हो सके अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित कर सकते हैं । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार उमेश कुमार सावले, प्रबंधक (एचआरडी) ने किया ।

अडानी समूह को आवंटित कोल ब्लॉक रद्द करने की मांग

जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा, सांध्यप्रकाश। भाजपा सरकार द्वारा मप्र के सिंगरौली में अडानी समूह को आवंटित कोल ब्लॉक को तत्काल रद्द कर वनों की कटाई पर रोक लगाकर आदिवासी समुदाय की सुरक्षा की मांग जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने की है। महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्ट्रेट में प्रस्तुत ज्ञापन में 12 मांगों को अविलम्ब पूरा करने की मांग की है। प्रस्तुत ज्ञापन के माध्यम से जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ ने कहा कि सिंगरौली जिले में अडानी समूह को आवंटित कोल ब्लॉक को अविलम्ब रद्द किया जाए। क्योंकि इस कोल ब्लॉक से भारी पर्यावरणीय क्षति एवं आदिवासी समुदाय का दमन हो रहा है। भाजपा सरकार के द्वारा आदिवासी समुदाय के हक अधिकार और जीवन को संकट में डाला जा रहा है। भाजपा सरकार की आदिवासी भाइयों को भूमिहीन करने की साजिश है। सिंगरौली पुलिस और प्रशासन के द्वारा बलपूर्वक आदिवासी परिवारों को नजरबंद कर पेड़ काटे जा रहे हैं इस पर तत्काल रोक लगाई जाने की मांग जिला कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ के द्वारा की गई।

प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र नामदेव बोले—मांगें नहीं मानी तो प्रदेश-व्यापी बड़ा आंदोलन होगा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेन्द्र नामदेव के नेतृत्व में भोपाल में महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। उन्होंने साफ कहा कि यदि मजदूरों से जुड़ी मूलभूत मांगें शीघ्र पूर्ण नहीं की गईं, तो प्रदेशभर में जोरदार व व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रखी गई प्रमुख माँगें इस प्रकार रहीं। मध्य प्रदेश में ठेका प्रथा को पूर्णतः समाप्त किया जाए। स्कूल, कॉलेज एवं सभी शिक्षण संस्थानों में अतिथि शिक्षक प्रथा समाप्त कर स्थायी भर्ती की जाए। बैंक, स्वाध्याय विभाग, एमपीबी और समस्त स्थाई विभागों में संविदा एवं ठेका प्रथा को समाप्त कर कर्मचारियों को परमानेंट दर्जा दिया जाए। फैक्ट्री एवं कारखानों में वर्षों से चल रही ठेका प्रथा बंद कर सभी श्रमिकों को स्थायी किया जाए। आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं को भी स्थायी नियुक्ति प्रदान की जाए। प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र नामदेव ने कहा कि मजदूरों, शिक्षकों और कर्मचारियों पर लगातार बढ़ रहा अन्याय अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हमारी जायज़ मांगें पूरी नहीं की गईं तो मध्य प्रदेश में एक बड़ा ऐतिहासिक आंदोलन किया जाएगा।

मक्का खरीदी पर पूरी तरह मौन क्यों हुई भाजपा सरकारः नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा, सांध्यप्रकाश। किसान खेतों से सिर्फ फसलें नहीं. देश और स्वयं के परिवार के लिए सपनें भी उगाता है। मौसम की अनुकूलता समय पर खादज.बीजज.उचित मूल्य पर प्राप्त हो जाएज..कीट पतंगों से फसलें बच जाएं, तब आधे ख्वाब पूरे हो जाते हैं। सरकार अपनी घोषणाओं और वादों के अनुरूप उपज खरीद ले तो सपने साकार हो जाते हैं, किन्तु वर्तमान सरकार किसान भाइयों के सपनों को बुरी तरह रौंद रही है। उक्त उदगार जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में व्यक्त किए। नकुलनाथ जी ने जारी बयान में भाजपा की सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि मक्का उपज को 2400 रुपए प्रति क्विंटल की खरीदी पर पूरी तरह मौन क्यों है? वर्तमान में जिस मूल्य पर उपज खरीदी जा रही है उससे लागत मूल्य भी नहीं निकल रहा फिर सरकार ने रूस्क्क का झूठा झुनझुना क्यों थमाया?। प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने सम्पूर्ण कार्यकाल में किसान भाइयों को आय दोगुनी करने का झांसा दिया, अब संसद में कह रहे हैं कि इसे दोगुनी करने की कोशिश जारी है। जमीनी हकीकत और सच्चाई यह है कि विगत 10 वर्षों में देश के किसान भाइयों पर 28 लाख 50 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। अगर इस प्रति किसान में विभाजित किया जाए तो लगभग देश के प्रत्येक किसान पर 1 लाख रुपए का कर्ज है।

वरेस्ट विजेता भावना डेहरिया को मिलेगा विक्रम अवॉर्ड; हाईकोर्ट ने स्टे हटाया

इंदौर, सांध्यप्रकाश। माउंट एवरेस्ट फतह कर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली पर्वतारोही भावना डेहरिया को अब विक्रम अवॉर्ड मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सोमवार को उनके चयन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और राज्य सरकार के निर्णय को सही ठहराया। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा ने आदेश सुनाते हुए कहा कि 2023 के एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी के लिए राज्य सरकार द्वारा लिया गया निर्णय नियमों के अनुरूप है और इसमें किसी प्रकार की त्रुटि नहीं है। यह महत्वपूर्ण जानकारी एडवोकेट अनुनय श्रीवास्तव, जो मामले में भावना डेहरिया की ओर से उपस्थित थे, द्वारा साझा की गई। वहीं, राज्य सरकार की ओर से इस मामले में डिप्टी एडवोकेट जनरल श्रेय राज सक्सेना ने प्रभावी तरीके से पक्ष रखा, जिसे न्यायालय ने स्वीकार किया। यह याचिका मधुसूदन पाटीदार द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि वे भावना डेहरिया से वरिष्ठ हैं और उन्हें ही पुरस्कार मिलना चाहिए। हालांकि न्यायालय ने पाया कि पाटीदार का एवरेस्ट आरोहण वर्ष 2017 का है, जो मध्य प्रदेश पुरस्कार नियम, 2021 के अनुसार निर्धारित पांच वर्ष की पात्रता अवधि से बाहर है। नियम 5 के अनुसार एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी में केवल पिछले पाँच वर्षों के उपलब्धियों को ही मान्य किया जा सकता है। इस आधार पर अदालत ने कहा कि पाटीदार वर्ष 2023 के पुरस्कार के लिए पात्र ही नहीं थे, इसलिए उनका दावा सही रूप से अस्वीकार किया गया। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया वर्ष 2021, 2022 और 2023 में नियमों के अनुरूप रही है, इसलिए अपर्याप्त जानकारी या नोटिस न देने का आरोप भी टिकाऊ नहीं है। याचिका ÷निर्मूल÷ पाए जाने के बाद अब भावना डेहरिया को विक्रम अवॉर्ड प्रदान करने में कोई बाधा नहीं रही। राज्य सरकार जल्द ही उन्हें आधिकारिक समारोह में सम्मानित करेगी। छिंदवाड़ा जिले के तामिया गाँव की निवासी भावना डेहरिया ने दुनिया की पाँच महाद्वीपीय सबसे ऊँची चोटियों पर भारत का तिरंगा फहराया है, जिनमें शामिल हैं— माउंट एवरेस्ट (एशिया) किलिमंजारो (अफ्रीका) कोज़िउस्को (ऑस्ट्रेलिया) एलब्रस (यूरोप) अकोंकागुआ (दक्षिण अमेरिका)। भावना डेहरिया मध्य प्रदेश से एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिलाओं में शामिल हैं और अब एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी में विक्रम अवॉर्ड पाने वाली पहली महिला भी बनेंगी। वे और उनकी चार वर्षीय बेटी सिद्धि, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। भारतीय हिमालय को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने एक अनूठा गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी हासिल किया है। भावना ने कहा कि यह पुरस्कार उनके साहस, लगन और पर्वतारोहण में समर्पण का सम्मान है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो स्थित पश्चिमी मंदिर समूह परिसर में साउंड एंड लाइट शो का किया अवलोकन

खजुराहो, सांध्य प्रकाश। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज खजुराहों प्रवास के दौरान विश्व धरोहर खजुराहो के पश्चिमी मंदिर समूह में आयोजित लाईट एवं साउंड शो का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वप्रथम मंदिर समूह में दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट का शुभारंभ किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन विभाग के द्वारा आयोजित मनमोहक एवं आकर्षित लाईट एवं ध्वनि शो का अवलोकन किया तथा सराहना की। लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से खजुराहो के विश्व धरोहर मंदिरों, चंदेलवंश के गौरवशाली इतिहास और बुंदेलखंड की समृद्ध लोक संस्कृति को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बुंदेलखंड की कला-संस्कृति को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यटन को ब?ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री लोक निर्माण विभाग राकेश सिंह,सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह, संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल, वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पवार सहित अन्य मंत्रीगण तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक हजार किमी लंबी नर्मदाजी की गहराइयों में कुदरत के तमाम राज छिपे हैं

नर्मदा परिक्रमा पर निकलेंगी मंत्री प्रहलाद पटेल की बेटी, टूटेगा गिनीज बुक रिकॉर्ड

भोपाल,सांध्य प्रकाश। मध्यप्रदेश के मंत्री प्रहलाद पटेल की अगली पीढ़ी भी अब नर्मदा यात्रा के लिए तैयार है। वैसे नर्मदाजी प्रदेश की लाइफलाइन मानी जाती हैं। दोनों ही पार्टी के आला नेता जरूरत पड़ने पर नर्मदा की परिक्रमा करते रहे हैं। जहां इसके जरिए खुद मजबूत हुए हैं वहीं, अपनी पार्टी में भी जान फूंकी है। अब प्रहलाद की बेटी प्रतिज्ञा ये काम करने जा रही हैं। हालांकि, उनकी ये नर्मदा परिक्रमा उनके पिता की नर्मदा परिक्रमा से काफी अलग होने वाली है। नर्मदा यात्रा करने में मध्यप्रदेश के दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों का नाम शामिल है। शिवराज सिंह चौहान और दिग्विजय सिंह दोनों ने नर्मदा यात्रा की। बीजेपी नेता अनिल माधव दवे का नाम तो नर्मदा यात्रा के लिए हमेशा ही याद किया जाता रहेगा। मोहन कैबिनेट के मौजूदा मंत्री प्रहलाद पटेल की राजनीतिक पहचान तो मजबूत है ही। उनकी सामाजिक और जननेता की छवि को सबसे ज्यादा मजबूती नर्मदा यात्रा या नर्मदा परिक्रमा से ही मिली है। अब उनकी अगली पीढ़ी ने भी ये कमान उठा ली है। उनकी बेटी प्रतिज्ञा पटेल ने अब नर्मदा यात्रा करने का ऐलान कर दिया है।

15 को अमरकंटक से होंगी रवाना

पटेल परिवार के कई सदस्य नर्मदा यात्रा कर चुके हैं। अब इस पारिवारिक विरासत को प्रतिज्ञा पटेल आगे बढ़ा रही हैं। प्रतिज्ञा पटेल 1330 किमी लंबी नर्मदा परिक्रमा करेंगी। उनकी यात्रा दो साल में पूरी होगी। 15 दिसंबर को जब बिटिया इस यात्रा के लिए अमरकंटक से रवाना होंगी। तब पापा प्रहलाद पटेल और परिवार के बाकी सदस्य भी वहां मौजूद रहेंगे। प्रतिज्ञा की मामी इस यात्रा में उनकी सहयात्री बनने वाली हैं।

प्रतिज्ञा की नर्मदा यात्रा की होगी ड्रोन कैप्चरिंग

हालांकि, प्रतिज्ञा की ये नर्मदा यात्रा अपने पिता की यात्रा से काफी अलग होगी। 1994 में प्रहलाद पटेल ने नर्मदा यात्रा की थी। ये वो दौर था जब आपस में कनेक्ट करने के लिए मोबाइल फोन, इंटरनेट जैसी सुविधाएं नहीं हुआ करती थीं। न ही नर्मदा के किनारों पर ऐसी कोई व्यवस्था होती थी कि आसानी से नर्मदा की यात्रा पूरी की जा सके, लेकिन प्रतिज्ञा की नर्मदा यात्रा के समय टेक्नॉलॉजी ने काफी कुछ आसान कर दिया है। सुनने में आ रहा है कि एक ड्रोन उनके साथ होगा। जो बीच-बीच में उनकी यात्रा को कैप्चर करेगा। उनके साथ एक मिनी ट्रकनुमा गाड़ी भी चलेगी। इसमें उनकी जरूरत के सामान के साथ-साथ उनके मकसद को पूरा करने वाली सामग्री भी होगी।

यात्रा के दौरान बनेगा गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड

प्रतिज्ञा पटेल अमरकंटक से लेकर अरब सागर तक के अपने सफर को पेंटिंग के जरिए केनवास पर उकेरेंगी। यानी नर्मदाजी के उद्गम से लेकर उनके अरब सागर में मिलने तक के अनुभव को रंगों और चित्रों में ढालेंगी। नर्मदाजी के किनारे स्थित धार्मिक स्थलों की पेंटिंग बनेगी तो वो स्थान भी पेंटिंग में नजर आएंगे जो नर्मदा के डूब क्षेत्र में आ चुके हैं। प्लानिंग ये है कि प्रतिज्ञा की पेंटिंग्स को सिंहस्थ में प्रदर्शित किया जा सके। कुछ पेंटिंग्स ऐसी होंगी जो दो किमी तक लंबी होंगी। कोशिश है कि पेंटिंग की कुल लंबाई 7 किमी की हो। आपको बता दें कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अब तक 5300 मीटर लंबी पेंटिंग का गिनीज बुक रिकॉर्ड दर्ज है। अगर प्रतिज्ञा ये पेंटिंग बना लेती हैं तो उसकी लंबाई 7 हजार मीटर तक होगी। यानी यात्रा के साथ ही गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड भी बनेगा।

कुश्ती खिलाड़ी शिवानी पवार ने उज्जैन में लहराया परचम, जीता गोल्ड मेडल

छिंदवाडा, सांध्य प्रकाश। उमरेठ तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत का महावीर ढाना की निवासी शिवानी पवार ने कुश्ती के क्षेत्र में लगातार परचम लहरा रही है अभी तक 11 गोल्ड मेडल हासिल कर छिंदवाड़ा का नाम रोशन कर दिया है शिवानी ने अभी मंडला से राज्य स्तरीय कुश्ती में चयन हुआ और 6 एवं 7 दिसंबर 2025 को उज्जैन के क्षीरसागर स्टेडियम में बार-बार गोल्ड मेडल जीतकर छिंदवाड़ा का नाम फिर रोशन कर दिया है एमेच्योर कुश्ती संघ छिंदवाड़ा के तत्वाधान में विनोद 55 किलोग्राम नीलेश राणे 70 किलोग्राम राहुल राउत 81 किलोग्राम में खेल खेला वहीं रश्मि 65 किलोग्राम में और शिवानी फाइनल मैच 55 किलोग्राम में पहुंचकर शानदार प्रदर्शन किया और गोल्ड मेडल जीता छिंदवाड़ा जिले से 6 खिलाड़ी कुश्ती खेल में भाग लेने उज्जैन पहुंचे थे उनके साथ टीम कोच सुनिधि सेमनेकर तामिया जिला छिंदवाड़ा थी एमेच्योर कुश्ती संघ के संदीप कछवाह मयूर यादव ने खिलाड़ी का उत्साहवर्धन किया एमेच्योर कुश्ती संघ छिंदवाड़ा के संरक्षक एडवोकेट देवेंद्र वर्मा ने शिवानी के गोल्ड मेडल लाने पर सभी पदाधिकारी की ओर से हार्दिक बधाई दिया है!

कुरई में एक बार फिर हुआ प्लेन क्रेस

सिवनी- कुरई में सोमवार को एक बार फिर ट्रेनर प्लेन क्रेस हुआ, बिजली के 33 केवी हाई टेंशन लाइन से टकराया

सिवनी सांध्यप्रकाश। कुरई के सुकतरा में स्थित स्को ऐयरो स्पेस लिमिटेड में एक बार फिर दिल दहला देने वाली लापरवाही सामने आई है। रेड बर्ड एविएशन कंपनी का एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट सोमवार शाम लगभग 6:30 - 7 बजे के आसपास 33 केवी हाई वोल्टेज विद्युत सप्लाई लाइन से टकरा गया। जोरदार आवाज के साथ विमान नीचे गिरता नज़र आया, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, अन्यथा बेहद बड़ा हादसा हो सकता था।

ग्रामीणों के अनुसार, उड़ान अभ्यास के दौरान विमान अचानक नियंत्रण खोकर हाई वोल्टेज लाइन के बिल्कुल करीब पहुंच गया और पंख विद्युत लाइन से टकरा गए। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि चिंगारियां भी दिखाई दीं और कुछ ही सेकंड के लिए माहौल दहशत भरा हो गया।

पहले भी दो बार पलट चुके हैं ट्रेनिंग विमान ङ्क स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पहले भी दो बार ट्रेनिंग विमान रनवे पर दौड़ते हुए पलट चुके हैं। इन घटनाओं के बाद भी प्रशासन और कंपनी की ओर से कोई ठोस सुधारात्मक कदम न उठाया जाना गंभीर सवाल खड़े करता है।

लोगों का कहना है कि एयर स्ट्रिप के आसपास सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर लगातार ट्रेनिंग उड़ानें कराई जा रही हैं। 33 केवी हाई वोल्टेज लाइन के इतने नज़दीक विमान संचालन करना किसी भी समय बड़ी त्रासदी को जन्म दे सकता है।किस्मत से टला बड़ा हादसा÷ ग्रामीण ग्राम सुकतरा के निवासियों ने बताया कि यदि विमान का संपर्क कुछ और सेकंड हाई वोल्टेज लाइन से बना रहता, तो स्थिति भयावह हो सकती थी। न सिर्फ प्रशिक्षु पायलट की जान खतरे में पड़ती, बल्कि पूरे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था भी चरमरा सकती थी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से एयर स्ट्रिप की सुरक्षा और संचालन प्रणाली की तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। संभावित बड़ी दुर्घटना ने उठाए सुरक्षा पर सवाल ङ्क लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए यह साफ है कि मेंस्को ऐयरो स्पेस लिमिटेड और संचालित ट्रेनिंग कंपनियों द्वारा सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन किया जा रहा है। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए तो यह लापरवाही भविष्य में किसी बड़े जनहानि वाले हादसे का कारण बन सकती है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सशस्त्र सेना झंडा दिवस

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। जिले में आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस पूरे हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाया गया। शहरवासियों, विभिन्न संगठनों, अधिकारियों और एनसीसी कैडेट्स ने भी इस अवसर पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा झंडा दिवस निधि में उदारतापूर्वक दान देकर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि झंडा दिवस के माध्यम से एकत्रित निधि का उपयोग युद्ध में दिव्यांग हुए सैनिकों, वीर नारियों एवं देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के परिजनों के कल्याण कार्यों में किया जाता है। साथ ही इस दान राशि पर आयकर अधिनियम की धारा 80 %जी' बी के अंतर्गत आयकर में 100 प्रतिशत छूट भी प्रदान की जाती है।

विंग कमांडर एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी देवेंद्र सिंह तोमर (से.नि.) तथा कल्याण संयोजक राजेश पाटिल द्वारा कलेक्टर एवं अध्यक्ष सैनिक बोर्ड श्री हरेंद्र नारायन को सशस्त्र सेना झंडे का बैज लगाया गया और उन्हें आर्म्ड फोर्सेज फ्लैग डे की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। एनसीसी कैडेट और पूर्व सैनिकों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुँचकर नागरिकों से योगदान एकत्र किया, जिसमें छिंदवाड़ा के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहयोग दिया।

एक लाख रूपए दिये दान

सैनिक कल्याण अधिकारी ने 87 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक श्रीमती कमला तिवारी, पत्नी दिवंगत डॉ. बी.पी. तिवारी के निवास पहुँचकर उन्हें तथा उनके पुत्र श्री राजीवा तिवारी और बहू श्रीमती समृद्धि तिवारी को भी झंडा दिवस का फ्लैग लगाया। तिवारी परिवार लगातार चार वर्षों से एक लाख रुपये का दान सैनिक कल्याण कार्यों हेतु दे रहा है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी एवं कल्याण संयोजक ने इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के अवसर पर विशेष सत्र का आयोजन

भोपाल, सांध्य प्रकाश। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल के स्कूल ऑफ़ फ़ार्मास्यूटिकल साइंसेज़ द्वारा 64वें राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह 2025 के अंतर्गत एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया।

सत्र के अंतर्गत इस वर्ष की थीम ÷टीकाकरण में फार्मेसिस्ट की भूमिका÷ पर आधारित रही, जिसमें फार्मेसिस्टों की इम्यूनाइजेशन जागरूकता, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं टीकाकरण संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।इस अवसर परं मुख्य अतिथि पूर्व वैज्ञानिक-सी, आईसीएमआर-एम्स (एम फार्मा, पीएचडी, पीजीडीएचएसएम) डॉ. श्वेता कुमार, एसजीएसयू चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरु डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, डीन एकेडमिक्स डॉ. विनोद कुमार गुप्ता, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. विनोद कुमार शर्मा, तथा डॉ. इंदरवीर सिंह एवं डॉ. सतेंद्र खरे उपस्थित रहे।मुख्य वक्ता डॉ. श?वेता कुमार ने टीकाकरण व सार्वजनिक स्वास्थ्य में फार्मेसिस्टों की बदलती जिम्मेदारियों, वैक्सीन जागरूकता बढ़ाने की रणनीतियों तथा इम्यूनाइजेशन के महत्व पर अत्यंत सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एसजीएसयू के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि टीकाकरण आज स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे प्रभावी साधन है। फार्मेसिस्ट इस जागरूकता को जमीनी स्तर पर पहुंचाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

एसजीएसयू के कुलगुरु (डॉ.) विजय सिंह और कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि फार्मेसी शिक्षा न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है, बल्कि समाज में वैज्ञानिक सोच और जिम्मेदार स्वास्थ्य व्यवहार को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।कार्यक्रम में 60 से अधिक विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा और युवा छात्रों को जिम्मेदार स्वास्थ्य सेवा पद्धतियों के प्रति प्रेरित किया।

भोपाल मेले के डांस फ्लोर पर उड़ाया गर्दा!

स्टेज पर उतरी बिजली: संभावना के लटके-झटके से मचाया कोहराम; दिल थाम कर देखते रहे गए लोग

भोपाल, सांध्य प्रकाश। फिल्म अभिनेत्री,बिग बॉस फेम और भोजपुरी इंडस्ट्री की एक जानी-मानी आइटम गर्ल और टीवी एक्ट्रेस संभावना सेठ ने स्टेज पर.....जबरदस्त परफॉर्मेंस दी, उनके कातिलाना मूव्स और अदाओं ने मंच पर ऐसा गर्दा उड़ाया कि दर्शक सीटियां बजाने पर मजबूर हो गए,ऊर्जा से भरपूर डांस परफॉर्मेंस जिसने दर्शकों को दीवाना बना दिया। मेला समिति के महामंत्री और सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक अजय सोगानी ने बताया कि आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अजय गोयल गोयनका, मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर महामंत्री सुनील जैनाविन, कोषाध्य का अशोक गुप्ता, राजकुमार जौहरी, मौजूद थे।

इस अवसर मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल जी ने डॉक्टर अजय गोयनका स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आज कार्यक्रम की शुरुआत आरबीएम डांस ग्रुप के कलाकारों की गणेश वंदना से हुई.... रिद्धि सिद्धि से वृद्धि होती.. तेरे आने से श्री गणेश देवा...। इसके बाद पंजाबी सिंगर तरंनप्रीत ने...मस्ती भरी रात है ना ना ना ना रे.... सावन में लग गई आग... तेरे लिए सब छोड़ छाड के... उसके बाद कुछ पंजाबी हो कुछ हिंदी सांग्स गाकर महफिल में जोश भर दिया। इसके मॉडल साक्षी श्रीवास्तव ने प्रेम रतन धन पायो.. पर ग्रुप डांस कर अपनी खूबसूरत प्रस्तुति दी।

इसके बाद संभावना ने स्टेज पर उतरते ही अपनी परफॉर्मेंस की शुरूआत की... तूने पर्दा उठाया तो क्या बात हो गई.. मुलाकात वारदात हो गई हम ने नैन मिलाई.. पर डांस कर.दर्शकों में मानो बिजली सी दौड़ गई, उनके जबरदस्त लटके-झटके, धांसू एक्सप्रेशन्स और बेहतरीन डांस मूव्स ने पूरे माहौल को सरगर्म कर दिया, संगीत की हर बीट पर उसका जोश और एनर्जी देखते ही बनती थी, स्टेज पर उनकी मौजूदगी इतनी पावरफुल थी कि दर्शकों की नजरें एक पल के लिए भी उनसे हट नहीं सकीं। स्टेज शो हो, वहां भीड़ का जोश हमेशा देखने लायक होता है। उनकी एनर्जी, देसी अदाएं और धमाकेदार डांस मूव्स पर दर्शक खुद को थिरकने से रोक नहीं पाते।

टीवी एक्ट्रेस संभावना सेठ ने सबसे पहले चमकीली रेड कलर की शॉर्ट और स्टाइलिश ड्रेस में स्टेज पर शानदार डांस किया।अपनी कमर मटकाना शुरू कर देती हैं. उसके बाद गजब का परफॉर्मेंस देती हैं।

घरेलू गैस सिलेंडरों का बढ़ता जा रहा कमर्शियल उपयोग

विभाग की उदासीनता से व्यापारियों के हौंसले बुलंद

मंडला, सांध्यप्रकाश। जिले में घरेलू गैंस सिलेंडरों की खपत तेजी से बढ़ रही है नतीजा घरेलू उपयोग हेतु गैस सिलेंडर को ऐजेसियों के मालिकों द्वारा मनमाने दाम में बेचा जा रहा है।शासन द्वारा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में रसोई गैस की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से वर्षों से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।खासकर उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को गैस कनेक्शन और सब्सिडी प्रदान कर उन्हें धुएँ से मुक्त स्वच्छ रसोई उपलब्ध कराई जा रही है। इससे गांवों में जंगलों पर बढ़ रहे दबाव को कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिला है।लेकिन इन सभी सकारात्मक प्रयासों के बीच एक समस्या तेजी से पैर पसार रही है,घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध कमर्शियल उपयोग

दुकानदारों की सफाई सस्ता पड़ता है घरेलू सिलेंडर

घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध कमर्शियल उपयोग शहरों से लेकर छोटे कस्बों और दूरस्थ गांवों तक चाय दुकानों, होटल,ढाबों,फास्ट फूड सेंटरों, चाट दुकानों एवं शादी समारोहों में बड़े पैमाने पर घरेलू सिलेंडर खुलेआम प्रयोग किए जा रहे हैं।

सरकार के नियम स्पष्ट है लेकिन पालन शून्य है।गैस एजेंसियों और संबंधित विभाग द्वारा जारी नियमों के अनुसार घरेलू गैंस सिलेंडर सिर्फ घरेलू उपयोग के लिए जारी किए जाते हैं।

व्यावसायिक गतिविधियों के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग अनिवार्य है।कमर्शियल सिलेंडरों में

सुरक्षा मानक अधिक मजबूत होते हैं,क्योंकि उनका उपयोग उच्च ताप स्तर और निरंतर आग पर किया जाता है।

इन नियमों के बावजूद,शहरों से लेकर गांवों तक हजारों दुकानों में घरेलू गैंस सिलेंडरों का उपयोग नियम विरुद्ध बेखौफ होकर कर रही हैं।आश्चर्य की बात यह है कि विभाग की ओर से कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे अवैध उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है।दुकानदारों की सफाई सस्ता पड़ता है घरेलू सिलेंडर जब इस संबंध में छोटे दुकानदार से बात की गई,तो ज्यादातर का जवाब एक जैसा था घरेलू गैस सस्ती पड़ती है, इसलिए उसी का उपयोग करना पड़ता है 900 वाला सिलेंडर 1100सौ रुपये में घरेलू सिलेंडर आसानी से मिल जाता है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर महंगा है।दुकानदारों ने बताया कि गैस एजेंसी के हॉकर आसानी से सिलेंडर दे जाते हैं,इसके लिए किसी तरह की पहचान या कागजी औपचारिकता की जरूरत नहीं होती।कुछ दुकानदारों ने यह भी बताया कि कमर्शियल सिलेंडर का खर्च उनके छोटे व्यवसायों की कमाई के मुकाबले बहुत अधिक है, इसलिए वे मजबूरी में घरेलू सिलेंडरों का उपयोग करते हैं।

सब्सिडी प्राप्त सिलेंडर वास्तव में जरूरतमंद परिवारों द्वारा उपयोग किए जा रहे हैं क्या कुछ उपभोक्ता उज्ज्वला सिलेंडर बेचकर उसे दुकानदारों तक पहुंचा रहे हैं क्या हॉकर और एजेंसी कर्मचारी इस अवैध सप्लाई में संलिप्त हैं योजना का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे,इसके लिए विभागीय जांच अत्यंत आवश्यक है।कमर्शियल गैस छोड़कर घरेलू सिलेंडर उपयोग करना सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है विशेषज्ञों के अनुसार,होटल चाय दुकान जैसे स्थानों में घरेलू सिलेंडरों का प्रयोग बेहद खतरनाक है।

घरेलू सिलेंडर लगातार तेज लौ और उच्च तापमान पर उपयोग करने के लिए डिजाइन नहीं किए गए हैं।दुकानें और ठेले अक्सर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर होते हैं,जहां गैस लीकेज की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है।कमर्शियल रेगुलेटर और पाइप अधिक सुरक्षित होते हैं,जबकि घरेलू सेटअप इस उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है इसके बावजूद नियमों का पालन न होना विभाग की लापरवाही को दर्शाता है।जांच टीमें महीनों तक गांवों में नहीं जातीं।हॉकर बिना किसी रोक-टोक के घरेलू सिलेंडर व्यवसायिक स्थानों पर पहुंचाते रहते हैं।इस ढिलाई के कारण दुकानदारों को लगता है कि इस अवैध कार्य से कोई खतरा नहीं है और वे बिना झिझक घरेलू गैस का उपयोग जारी रखते है घरेलू सिलेंडरों का बढ़ता कमर्शियल उपयोग न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि सुरक्षा और सामाजिक योजनाओं की मंशा के साथ सीधा खिलवाड़ भी है।

जन परिषद की ब्रांड एंबेसडर भावना डेहरिया को विक्रम अवार्ड, बधाइयां

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। चेयरमैन एवं पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी, उपाध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी महान भारत सागर , पूर्व डीजीपी डी पी खन्ना, उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईएस अधिकारी सर्वश्री एस के मिश्रा, अजात शत्रु , जी पी श्रीवास्तव, संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव ,वूमेनविंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री सुनील डबास, राष्ट्रीय महा सचिव एवं विक्रम अवॉर्डी कमला रावत, महासचिव एवं मिस यूनिवर्स आशिता कोचर , वूमेन विंग की प्रांतीय अध्यक्ष एवं जानी मानी कवयित्री डॉ अनु सपन, जन परिषद के महासचिव एवं अग्रणी कर्मचारी नेता अजय श्रीवास्तव, ओ पी गुप्ता , प्रांतीय उपाध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे अन्नी भैया, महेंद्र जोशी , जितेन्द्र पुरोहित, रऊफ खान लाला, विनोद श्रीवास्तव, गोविंद चौरसिया, बल्लू वालिया, प्रांतीय सचिव (मुख्यालय) नितिन श्रीवास्तव , प्रांतीय सचिव अजय श्रीवास्तव,प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं मिसेज यूनिवर्स डॉ प्रगति सेठ, मिसेज यूनिवर्स दिव्या चौधरी,प्रांतीय सचिव (महिला इकाई) ,श्रीमती निरुपमा बजाज ,श्रीमती प्रीति गौतम एवं जन परिषद की अन्य सभी ब्रांड एंबेसेडर्स ने भावना डेहरिया को, विक्रम अवार्ड मिलने पर बधाईयां प्रेषित की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खजुराहो में बस स्टॉप पर रुककर कॉलेज की छात्राओं से मिले और पढ़ाई के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर परिसर में महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर परिसर में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया।

अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस

भ्रष्टाचार एक जटिल सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक घटना है जो सभी देशों को प्रभावित करती है। भ्रष्टाचार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है, आर्थिक विकास को धीमा करता है और सरकारी अस्थिरता में योगदान देता है।

भ्रष्टाचार चुनावी प्रक्रियाओं को विकृत करके, क़ानून के शासन को विकृत करके और नौकरशाही के दलदल को जन्म देकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव पर हमला करता है, जिसके अस्तित्व का एकमात्र कारण रिश्वतखोरी है। आर्थिक विकास अवरुद्ध हो जाता है, क्योंकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हतोत्साहित होता है और देश के छोटे व्यवसायों के लिए भ्रष्टाचार के कारण अक्सर आवश्यक 'शुरुआती लागत' को पूरा करना असंभव हो जाता है। भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उससे निपटने व रोकथाम में कन्वेंशन की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, सभा ने 09 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस के रूप में भी घोषित किया।

अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस इस वर्ष का विषय : 'भ्रष्टाचार के विरुद्ध युवाओं के साथ एकजुटता भविष्य की अखंडता को आकार देना', अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी समाजों के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है।

– राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

मप्र मंडी बोर्ड के अनुसार आज दिनांक 09.12.2025 का सोयाबीन का भावांतर मोडल भाव रू 4217 प्रति क्विंटल है।

भोपाल। इस्लामनगर जो अब जगदीशपुर है, में तोड़फोड़ की जा रही है। उसके लेकर जगदीशपुर के निवासियों ने दोपहर 12 बजे प्रदर्शन किया गया। हिंदू उत्सव समिति के नेतृत्व में अतः बाबर सुलभ शौचालय वाला कार्यक्रम पहले सुबह 10.30 बजे होना था पर किसी कारणवश इस प्रदर्शन को 12 बजे किया गया।

गजब कर रही ठंड, रायसेन में फसल पर जमी ओस, पचमढ़ी में झील से उठ रही भाप

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन कोल्ड वेव यानी शीतलहर का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, शाजापुर, जबलपुर, सिवनी, शहडोल में मंगलवार को कोल्ड वेव और नरसिंहपुर में कोल्ड डे का असर रहेगा। इसके साथ ही कई शहरों में पारा 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। बर्फीली हवा की वजह से इन दिनों

ठंड तीखे तेवर दिखा रही है। कई शहरों में रात का पारा 6 डिग्री से नीचे आ गया है। शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 4.2 डिग्री रहा। वहीं, दिन में भोपाल, इंदौर समेत कई शहरों में कोल्ड वेव का असर है। भोपाल में पिछले 4 दिन से सर्द हवा चल रही है। बता दें, रविवार-सोमवार की रात में प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। इंदौर में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। रात में यहां पारा 5.7 डिग्री रहा, जो साल 2015 से 2024 के बीच सबसे कम है। इससे पहले 24 दिसंबर 2015 को पारा 7 डिग्री रहा था।

कल्याणपुर सबसे ठंडा, पचमढ़ी भी कांपा– मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में सबसे ठंडा इलाका कल्याणपुर (4.2 डिग्री) रहा। इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में 5.2 डिग्री, उमरिया में 5.6, राजगढ़ में 6, नौगांव 6.5 और रायसेन में 7 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। कई अन्य शहरों में भी पारा 8 से 9 डिग्री के बीच रहा। उज्जैन में इस सीजन की अब तक की सबसे सर्द रात दर्ज की गई, जहां तापमान 9 डिग्री तक गिर गया। भोपाल में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री, ग्वालियर में 8.9 डिग्री और जबलपुर में 8.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

अगले 3 दिन ऐसे ही रहेंगे हालात– मंगलवार से 11 दिसंबर तक भोपाल, इंदौर, जबलपुर, विदिशा, राजगढ़, सीहोर, शाजापुर, सिवनी और शहडोल में शीतलहर चलने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इस साल ठंड ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। भोपाल में नवंबर महीने में 84 साल पुराना रिकॉर्ड टूट चुका है, जबकि इंदौर में 25 साल में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी। दिसंबर में भी यही ट्रेंड जारी है और सर्दी अपने तीखे तेवर दिखा रही है।

इंदौर के 16 धावकों ने लोंगेवाला बॉर्डर रन में देश में बढ़ाया शहर का मान

भोपाल। देश की सबसे कठिन रेसों में से एक जैसलमेर से लोंगेवाला तक होने वाली बॉर्डर रन इस वर्ष भी रोमांच और चुनौती से भरी रही। इस प्रतिष्ठित दौड़ में इंदौर से 16 रनर्स ने हिस्सा लिया, जिनमें सभी ने सफलतापूर्वक रन पूरा किया। देश के इस कठिन ट्रैक पर इंदौर के धावकों ने न केवल अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि पूरे देश में इंदौर का नाम भी रोशन किया। 160 किलोमीटर की अल्ट्रा रन में इंदौर के अंकित मेहता ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं 100 किलोमीटर कैटेगरी में सौरभ जैन, आशुतोष व्यास, अमृतेश

मोदी, अम्वेश राजपूत, ज्योतिर व्यास, अमीषा जैन, सपना सोजतिया, सार्थक कापडे और चिंतन देसाई जैसे धावकों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इन धावकों ने कठिन परिस्थितियों और लोंगेवाला के चुनौतीपूर्ण मार्ग को पार करते हुए सफलतापूर्वक फिनिश लाइन तक पहुंचकर इंदौर की खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया।

50 किमी वर्ग में भी इंदौर के धावकों ने दिखाया साहस

50 किलोमीटर की श्रेणी में भी इंदौरी धावक पीछे नहीं रहे। इस कैटेगरी में मनीष गौड़, अखिलेश जैन, राजीव लाठ, नीरज सचदेव, गौतम झालानी और विनीत रामचंदानी ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष रूप से मनीष गौड़ ने पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल कर इंदौर का मान बढ़ाया। यह उपलब्धि इस कठिन रेस की कठिनाइयों को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।